



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 166]

नई दिल्ली, बुधवार 7 मई, 2008/वैशाख 17, 1930

No. 166]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 7, 2008/VAISAKHA 17, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 मई, 2008

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय: मलेशिया, थाईलैंड, चीन जनवादी गणराज्य और कोरिया गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित कैथोड रे कलर टेलीवीजन पिक्चर ट्यूबों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/8/2007-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए :

2. जबकि मैसर्स सेमटेल कलर लि. एवं जेसीटी इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम कहा गया है) के अनुसार एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें मलेशिया, थाईलैंड, चीन जनवादी गणराज्य और कोरिया गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित पूर्ण अथवा अपूर्ण कैथोड रे कलर टेलीवीजन पिक्चर ट्यूबों के पाटन का आरोप लगाया गया था और संबद्ध वस्तु की पाटनरोधी जांच शुरू करने और उस पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया था ।

3. और जबकि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर पर्याप्तता और यथातथ्यता के बारे में उसकी जांच करने के बाद नियमों के उप-नियम 6(1) के अनुसार आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि वसूल किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, के लिए संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 19 नवम्बर, 2007 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था।

क. प्रक्रिया

4. इस जांच के बारे में प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है।

(i) उपर्युक्त नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा किए गए पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावास को अधिसूचित किया ;

- (ii) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावास, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को 19 नवम्बर, 2007 की जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ भेजीं और उनसे जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का निवेदन किया;
- (iii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6 के अनुसार ज्ञात निर्यातकों तथा मलेशिया, थाईलैंड, चीन जन. गण. और कोरिया गण. के दूतावासों को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियाँ उपलब्ध कराईं;
- (iv) नियम 6 के अनुसार मलेशिया, थाईलैंड, चीन जन. गण. तथा कोरिया गणराज्य के भारत स्थित दूतावासों को इस अनुरोध के साथ जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का जवाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। निर्यातकों के नाम एवं पत्रों सहित निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्रों तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी उनको भेजी गई।
- (v) आवेदक ने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया कि वे वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश का व्यवहार प्रदान करें। जांच शुरूआत के प्रयोजनार्थ चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य पर चीन जन. गण. के संबंध में सामान्य मूल्य की पुष्टि करने के प्रयोजनार्थ समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में थाईलैंड, कोरिया गण. या मलेशिया में संबद्ध वस्तु की कीमत के आधार पर विचार किया गया था। प्राधिकारी ने चीन के ज्ञात निर्यातकों को यह सूचना दी थी कि उनका प्रस्ताव यथासंशोधित पाटनरोधी नियम के पैरा (7) और (8) के मद्देनजर आवेदक के दावे की जांच करने का है। अतः चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के संबंधित निर्यातकों/उत्पादकों को यह सलाह दी गई थी कि वे पैराग्राफ 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या उन सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जाना चाहिए जो यह प्रदर्शित कर सकते हैं कि वे उक्त पैराग्राफ में निर्धारित मानदण्डों को पूरा करते हैं। बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए एक प्रश्नावली चीन में समस्त ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों तथा चीन जन. गण. के दूतावास को भेजी गई थी।
- (vi) नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी द्वारा एक प्रश्नावली भेजी गयी थी :-

मलेशिया

- क) चुंघवा पिक्चर ट्यूब्स (एम) एसडीएन. बीएचडी
लॉट 1, सुबंग हाइटेक इंडस्ट्रियल पार्क,
बातु टाइगा, 40000 शाह आलम,
सेलंगोर, मलेशिया
- ख) सैमसंग एसडीआई (मलेशिया) बेरहाड
लॉट 635 व 660, कावासान पेरिन्डस्ट्रेन
तुवांकु जाफर, 71450 सुंगई गाडुत,
नेजेरी सेम्बिलन दारुल खासुस
मलेशिया

कोरिया गणराज्य

- ग) सैमसंग कार्पोरेशन
सैमसंग प्लाजा बिल्डिंग, 263 सियोहियोन डाँग
बुडांग-गु, संगम सी,
जियोजी डो,
कोरिया 463-271

थाईलैंड

- घ) एमटी पिक्चर डिस्प्ले (थाईलैंड) कं. लि.
142 मू 5, बंगकाडी इंडस्ट्रियल पार्क
तिवानन रोड, तुम्बोल बंगकाडी
अम्फुर मोंग, पथमुथानी 12000
थाईलैंड

चीन जन. गण.

- ड.) आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि.
आयरिको इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं.
सं. 1 काइहांग रोड,
जिनयांग शांग्सी, पी.सी. 712021

(vii) निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने निर्यातक प्रश्नावली का पर्याप्त ढंग से और जांच शुरूआत संबंधी सूचना का अपना उत्तर प्रस्तुत किया :-

- (क) चुंघवा पिक्चर ट्यूब्स (एम) एसडीएन. बीएचडी
(ख) सैमसंग एसडीआई (मलेशिया) बेरहाड
(ग) आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि., चीन जन. गण.
(घ) आयरिको डिवाइसेज कं. लि., चीन जन. गण.
(ड.) एलजी फिलजिप्स शुंगवांग इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि., चीन जन. गण.
(च) बीजिंग मत्सुशिता कलर सीआरटी कं. लि., चीन जन. गण.
(छ) शेनझेन सैमसंग एसडीआई कं. लि. (एसएसडीआई), चीन जन. गण.
(ज) एलपीडी कोरिया

कुछेक प्रतिवादी निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली को प्रस्तुत करने के लिए (जिसकी नियत तिथि 29.12.2007 थी) समय विस्तार का अनुरोध किया और अपने उत्तर प्रस्तुत करने के लिए सभी प्रतिवादी निर्यातकों को समान रूप से 31 जनवरी, 2008 तक का समय विस्तार प्रदान किया गया ।

(viii) भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गयी थीं जिनमें नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गयी थी :

- क) डिक्सन युटिलिटीज एंड एक्सपोर्ट्स लि.
बी-14, फेज-II
नोएडा- 201305 (उ. प्र.)
- ख) एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्रा. लि.
प्लॉट सं. 51, उद्योग विहार
सूरजकुंड- कासना रोड
ग्रेटर नोएडा (उ. प्र.)
- ग) पेनासोनिक एवीसी नेटवर्क्स इंडिया कं. लि.
सी-52, फेज- II
नोएडा-201305 (उ. प्र.)
- घ) मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स लि.
ओनिडा हाउस, जी-1, एमआईडीसी
महाकाली केक्स रोड
अँधेरी (पू.)
मुम्बई-400093
- ङ.) सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि.
बी-1, सेक्टर-81,
फेज- II
नोएडा-201305 (उ. प्र.)
- च) विडियोकोन इंटरनेशनल लि.
14 कि.मी. स्टोन
औरंगाबाद- पैठान रोड, चिटगाँव
टीक्यू पैठान
जिला औरंगाबाद-431105
- छ) फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक इंडिया लि.
प्लाट 80, भोसरी इंडस्ट्रियल एस्टेट
पी.बी. 12
पुणे-411026
- (ix) उपर्युक्त अधिसूचना के प्रत्युत्तर में मैसर्स डिक्सन टेक्नोलॉजीज (इं.) प्रा. लि., पेनासोनिक एवीसी नेटवर्क्स इंडिया कं. लि., सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा. लि., एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्रा. लि. तथा मिर्क इलेक्ट्रॉनिक्स लि. ने उत्तर प्रस्तुत किया है और आयातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है;

- (x) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएण्डएस) से भी अनुरोध किया गया कि वह पिछले 3 वर्षों और जांच की अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें;
- (xi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा;
- (xii) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा। इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग को लागत लेखाकरण की पद्धति द्वारा विधिवत सत्यापित उत्पादन लागत उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था;
- (xiii) **** से इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है;
- (xiv) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 जुलाई, 2006 से 30 जून, 2007 (12 माह) की है। क्षति विश्लेषण के संबंध में रुझानों की जांच में 1 अप्रैल, 2004 से जांच अवधि की समाप्ति तक की अवधि शामिल है;
- (xv) इस जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि के लिए भारत और उसके आधार पर प्रतिवादी देशों के लिए निम्नलिखित विनिमय दरें अपनाई गई हैं :-

देश	मुद्रा	अम. डा.
चीन	1 आरएमबी	7.807
मलेशिया	1 मलेशियाई रिंगिट	3.5583
दक्षिण कोरिया	1 दक्षिण कोरियाई वॉन	925.93
थाईलैंड	1 थाई बहत	34.94

रूपया/अम. डा. परिवर्तन दर 44.80 रु. = 1 अम. डा. ली गई है।

- (xvi) प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के आयातकों/औद्योगिक प्रयोक्ताओं को पाटन, क्षति एवं कारणात्मकता के बारे में जांच से संगत मानी गई सूचना प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।
- (xvii) प्राधिकारी ने इस चरण पर आवश्यक समझी गई सीमा तक हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रदत्त सूचना की यथातथ्यता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुएँ

5. विचाराधीन उत्पाद “ पूर्ण या अपूर्ण कैथोड रे कलर टेलीवीजन पिकचर ट्यूब्स ” है जिसे व्यापक रूप से “ थर्मियानिक, कोल्ड कैथोड या फोटो कैथोड वाल्वस एवं ट्यूब्स यथा निर्वात या वाष्पित

या गैस पूरित वाल्व तथा ट्यूब मरकरी यार्क रेक्टिफाइंग वाल्व तथा ट्यूब के रूप में जाना जाता है, जिन्हें कैथोड रे ट्यूब, टेलीवीजन कैमरा ट्यूब या कैथोड रे कलर टेलीवीजन पिकचर ट्यूब या कलर टेलीवीजन पिकचर ट्यूब या कलर पिकचर ट्यूब आदि ” के नाम से भी जाना जाता है और इसका उल्लेख इस अधिसूचना में कलर पिकचर ट्यूब या “ सीपीटी ” या “ सीआरटी ” के रूप में किया गया है । वीडियो तथा कंप्यूटर मॉनिटर कैथोड रे ट्यूबें वर्तमान याचिका के दायरे से बाहर हैं ।

6. संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 85 के उपशीर्ष सं. 8540.11 के अंतर्गत आती है । सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है ।

7. अनेक हितबद्ध पार्टियों ने प्राधिकारी को यह अभ्यावेदन प्रस्तुत किया है कि 21” स्लिम पिकचर ट्यूब तथा 29” ट्यूब को वर्तमान जांच तथा प्रस्तावित उपायों के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए । 21” स्लिम को बाहर रखने का दावा इस आधार पर किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा इस प्रकार की ट्यूब का उत्पादन नहीं किया जाता है । 29” ट्यूब का दावा इस आधार पर किया गया है कि घरेलू उद्योग ने हाल ही में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है और यह कि 29” स्लिम का उत्पादन घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है ।

8. पाटनरोधी नियम के नियम 2(घ) में समान वस्तु को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :-

“ एक ऐसी वस्तु जो भारत में पाटित की जा रही जांचाधीन वस्तु से हर प्रकार से समनुरूप या समान वस्तु है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में दूसरी ऐसी वस्तु, जो यद्यपि हर प्रकार से समान नहीं है तथापि उसकी विशेषताएँ जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती-जुलती हैं । ”

9. प्राधिकारी द्वारा विभिन्न विधिक उपबंधों पर विचार करते हुए हितबद्ध पार्टियों द्वारा किए गए दावों की विस्तार से जांच की गई थी । डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों और हितबद्ध पार्टियों के उत्तरों से यह नोट किया जाता है कि 21” स्लिम पिकचर ट्यूब का भारत में आयात सैमसंग मलेशिया/चीन तथा एलपीडी कोरिया से किया गया था । 21” स्लिम तथा 29” के अलग-अलग आकारों के विभिन्न निर्यातकों द्वारा किए गए संचयी निर्यात निम्नानुसार थे :-

	मात्रा (000 नग)
21” स्लिम का आयात	191
29” के सभी प्रकारों का आयात	302
भारत में कुल आयात	5408
भारत में माँग	14696
आयातों में हिस्सा	
21” स्लिम	3.53%
29” सभी प्रकार	5.58%
माँग में हिस्सा	
21” स्लिम	1.30%
29” सभी प्रकार	2.05%

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान आयातित 21" और 29" स्लिम की मात्रा कुल आयातों की तुलना में काफी कम थी।

11. प्राधिकारी ने उत्पाद की विशेषताओं की जांच की। यह पाया गया था कि यद्यपि किसी पिक्चर ट्यूब के प्रौद्योगिकीय सुधारों, फ्लैटनेस में क्रमिक वृद्धि की गई है। उत्पादकों द्वारा पूर्व में कर्ब्ड पैनल की पिक्चर ट्यूबों का उत्पादन किया जा रहा था। पैनलों की फ्लैटनेस में क्रमिक वृद्धि की गई ताकि फ्लैट पिक्चर ट्यूबों का उत्पादन किया जा सके। इन्हें फ्लैट, सुपर फ्लैट, रियल फ्लैट आदि के रूप में निर्दिष्ट किया गया जिनकी फ्लैटनेस में क्रमिक वृद्धि की गई। अब यह प्रयास किए जा रहे हैं कि फनेल के आकार को कम किया जाए। इन्हें स्लिम, सुपर स्लिम तथा अल्ट्रा स्लिम पिक्चर ट्यूबों के रूप में वर्णित किया जा रहा है।

12. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि किसी नई पिक्चर ट्यूब का विकास एक सतत प्रक्रिया है। घरेलू उद्योग ने आगे यह तर्क दिया है कि उपभोक्ताओं ने पहले से ही यह माँग शुरू कर दी है कि घरेलू उद्योग को "अल्ट्रा स्लिम" के विकास पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए क्योंकि उत्पादकों की मंशा "स्लिम" की चरणबद्ध समाप्ति की है। अतः घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया कि इस बात से इनकार नहीं किया जाता है कि उत्पादक यथासमय कुछ नए उत्पाद प्रकार की खोज करेंगे तथापि यह बदलती हुई बाजारी प्रवृत्तियों के अनुरूप वांछनीय है। तथापि, केवल इसलिए कि फनेल के आकार में परिवर्तन किया गया है और परिणामी उत्पाद का उल्लेख "स्लिम" या अल्ट्रा स्लिम पिक्चर ट्यूब के रूप में किया जाता है, परिणामी उत्पाद एक अलग उत्पाद नहीं बन जाता है। स्लिम या अल्ट्रा स्लिम पिक्चर ट्यूबें 21" ट्यूब के अन्य परिवर्तकों के रूप में अनिवार्यतः एक समान उत्पाद विशेषता रखने वाले उत्पाद हैं। हितबद्ध पार्टियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि उत्पाद विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, संयंत्र एवं उपस्कर, कार्य एवं उपयोग आदि जैसे मापदण्डों के संबंध में 21" स्लिम पिक्चर ट्यूब तथा 21" ट्यूब के अन्य प्रकार किस प्रकार असामान्य उत्पाद हैं। हितबद्ध पार्टियों का एकमात्र तर्क यह है कि भौतिक गुणधर्मों में पर्याप्त अंतर है, कीमत में पर्याप्त अंतर है और यह कि भारत में स्लिम या अल्ट्रा स्लिम सीआरटी का उत्पादन नहीं किया जाता है। जहाँ तक कीमत अंतर का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी नव उत्पादित परिवर्तक की उच्चतर कीमत से वह अलग उत्पाद नहीं बन जाता है। इसके अलावा, निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत पश्नावली के उत्तर से फ्लैट तथा स्लिम सीआरटी के बीच पर्याप्त कीमत अंतर का पता नहीं चलता है। भौतिक विशेषताओं में अंतर का तात्पर्य अनिवार्य उत्पाद गुणधर्मों में अंतर नहीं होता है। भौतिक विशेषताओं में अंतर केवल कीमत समायोजनों के लिए अपेक्षित होता है। यह तथ्य कि उत्पाद के किसी विशेष प्रकार का उत्पादन देश में नहीं किया जाता है, का तात्पर्य यह नहीं है कि उक्त उत्पाद प्रकार को शुल्क के दायरे से बाहर कर दिया जाए। इस बात की पुष्टि की जानी चाहिए कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत वस्तु आयातित वस्तु के समान वस्तु नहीं है।

13. जहाँ तक 29" पिक्चर ट्यूब का संबंध है, जांच से यह पता चला है कि घरेलू उद्योग ने इस प्रकार की ट्यूब के उत्पादन हेतु भारी निवेश किया है और उसने वस्तुतः इस प्रकार की पर्याप्त वाणिज्यिक मात्रा का उत्पादन किया है। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना से यह पता चला कि 29" के उत्पाद हेतु उसके क्षमता उपयोग में उत्पादन की शुरुआत के बाद वृद्धि हुई और वह अगस्त-दिसम्बर, 2006 के बीच अत्यंत उच्च स्तर पर बनी रही। लेकिन उसके बाद क्षमता उपयोग में अत्यंत गिरावट

आई जो जनवरी-दिसंबर, 2007 की अवधि के दौरान लगभग 17% के स्तर तक घट गई। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि उसे इन सुविधाओं के उपयोग से वंचित किया जा रहा है और संयंत्र के उपयोग से संबंधित भारी नुकसान हो रहा है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया कि 29" के उत्पादन हेतु उसका संयंत्र लम्बी अवधि तक निष्क्रिय रहा है।

14. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी आगे और जांच तथा निर्यातकों के उत्तर के सत्यापन के लंबित रहने तक अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पिक्चर ट्यूबों के इन दोनों प्रकारों को बाहर रखना उचित नहीं होगा।

15. उपर्युक्त के अलावा ऐसा कोई दावा नहीं किया गया है कि घरेलू उत्पादकों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा संबद्ध देशों से आयातित उत्पादों के बीच पर्याप्त अंतर है। दोनों उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, निर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, गुणवत्ता, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय हैं। ये दोनों उत्पाद तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ताओं द्वारा दोनों का उपयोग अदल-बदलकर किया जा रहा है।

16. आवेदकों ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु मलेशिया, थाईलैंड, चीन जन. गण. और कोरिया गण. के मूल की या वहाँ से निर्यातित वस्तु के समान वस्तु है। आयातित उत्पाद का उपयोग भी उसी श्रेणी के उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। उत्पाद में एक समान मूलभूत तकनीकी गुणधर्म निहित हैं और उसके कार्य तथा उपयोग एक समान हैं।

ग. घरेलू उद्योग

17. नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग की परिभाषा निम्नानुसार है :-

“ घरेलू उद्योग का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण में और उससे जुड़े कार्यकलापों में संलग्न हैं या जिनका उक्त वस्तु का संचयी उत्पादन उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख भाग है, परन्तु यदि ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित हैं या वे स्वयं उसका आयात कर रहे हैं, तो इस प्रकार के उत्पादकों को घरेलू उद्योग का हिस्सा नहीं माना जाएगा। ”

18. यह आवेदन सेमटेल कलर लि. तथा जेसीटी इलेक्ट्रॉनिक्स लि. द्वारा दायर किया गया है। याचिकाकर्ता ने वर्तमान जांच से संगत सूचना दायर की है। संबद्ध वस्तु का उत्पादन बीपीएल डिस्ट्रे डिवाइसेज लि. द्वारा भी किया जाता है। उन्होंने इन दोनों कंपनियों द्वारा दायर इस याचिका का पूरा समर्थन किया है। यह दावा किया गया है कि भारी पाटन के कारण उन्हें भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है जिससे उनका उत्पादन स्थगित हो गया है। याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन 50% से अधिक बनता है और वह भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है।

19. विस्तृत प्रारंभिक जांच करने के बाद प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि (क) सेमटेल कलर लि. तथा जेसीटी इलेक्ट्रॉनिक्स लि. के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा है (ख) याचिकाकर्ताओं का उत्पादन भारतीय उत्पादन के 50% से अधिक बनता है (ग) आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से किया

गया है। इसके अलावा, सेमटेल कलर लि. तथा जेसीटी इलेक्ट्रॉनिक्स लि. वर्तमान जांच परिणामों के प्रयोजनार्थ नियम 2(घ) के साथ पठित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं।

घ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और घाटन मार्जिन

घ.1 घरेलू उद्योग के दावे

20. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं :-

- (क) चीन के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए।
- (ख) अन्य देशों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादन की परिकल्पित लागत के आधार पर किया जाना चाहिए। सार्वजनिक क्षेत्र, जहाँ इन कंपनियों द्वारा यह दावा किया जा रहा है कि उनका सीआरटी व्यापार घाटे में चल रहा है, में उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए इन कंपनियों के ये दावे सही नहीं हो सकते हैं कि वे लाभ कमा रही हैं। घरेलू उद्योग ने इन विदेशी उत्पादकों के संबंध में अखबारों/रिपोर्टों का हवाला दिया है जिनमें इन कंपनियों को कथित तौर पर सीआरटी कारोबार में घाटे में चल रही बताया गया है।
- (ग) थाई उत्पादक को इतना अधिक घाटा हुआ है जिससे उस कंपनी ने प्रचालन बंद कर दिए हैं।
- (घ) कोरियाई प्राधिकारियों द्वारा अनेक अवैध कार्यकलापों के लिए सैमसंग कोरिया की जांच की जा रही है।
- (ङ) ईसी तथा कनाडियन प्राधिकारियों द्वारा प्रमुख सीआरटी उत्पादकों द्वारा कीमत घटौती के आरोपों के संबंध में अनेक सीआरटी उत्पादकों की जांच की जा रही है। ये जांचें मुख्यतः एलजी, सैमसंग, चुंगवा आदि के खिलाफ निर्देशित हैं।
- (च) चीन की प्रतिवादी कंपनियों को इस चरण पर बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया जा सकता क्योंकि इस बात की पुष्टि करने में असमर्थ रही हैं कि वे समस्त आवश्यक जांच पर खरी उतरी हैं। यहाँ तक कि नियमों में निर्धारित एक भी शर्त पूरी नहीं हुई है इसलिए बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता।
- (छ) सैमसंग तथा एलजी की निर्यात कीमत का परिकलन क्रेता तथा विक्रेता के बीच संबंध के मद्देनजर किया जाना चाहिए। सैमसंग की एक स्पष्ट शर्त यह है कि वह तब तक अपने संबंधित आपूर्तिकर्ताओं से खरीद करेगा जब तक कि भारतीय उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत कीमतें 21" के लिए कम से कम 2 अम. डा. प्रति नग कम न हों। अतः निर्यातक द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत में संबद्धता के कारण 2 अम. डा. प्रति नग तक समायोजन किया जाना चाहिए। एलजी द्वारा किसी दावे के अभाव में एलजी की कीमत को भी उतनी राशि तक समायोजित किया जाए।

घ.2 बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि गत तीन वर्षों में अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा की गई पाटनरोधी जांचों में चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन. गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश

माना गया है बशर्ते कि उपर्युक्त नियमों के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमान का खंडन किया गया हो।

22. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर- बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खण्डन तभी किया जा सकता है यदि ऐसे देश के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदण्डों के आधार पर सूचना तथा पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें और इसके विपरीत सिद्ध करें। चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली के उत्तर में पैराग्राफ 8 के उप पैराग्राफ (3) में यथाउल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने अपेक्षित होते हैं ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदण्डों पर विचार कर सकें कि क्या :

(क) चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों के कीमत, लागत और कच्ची सामग्री समेत निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत, उत्पादन, बिक्री एवं निवेश संबंधी निर्णय पूर्ति तथा माँग को दर्शाने वाले बाजार संकेतकों के प्रतिक्रियास्वरूप लिए जाते हैं और इस संबंध में सरकार का कोई महत्वपूर्ण हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागतों से पर्याप्त ढंग से बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेष रूप से परिसम्पत्तियों के मूल्य ह्रास, अन्य बढ़ते खाते, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में पूर्ववर्ती गैर- बाजार अर्थव्यवस्था से उत्पन्न व्यापक विकृतियों के अधीन है;

(ग) ऐसी फर्में दिवालिया और सम्पत्ति संबंधी कानूनों, जो फर्मों के प्रचालन के लिए विधिक निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी देते हैं, के अधीन हैं।

(घ) मुद्रा विनिमय दरों में बाजार दर के अनुसार परिवर्तन किए जाते हैं।

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरूआत संबंधी सूचना के बाद चीन के अनेक उत्पादकों तथा निर्यातकों अर्थात् आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि., आयरिको डिस्प्ले डिवाइसेज कं. लि., एलजी फिलिप्स, संगुआंग इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि., मै. बीजिंग मत्सुसिता कलर सीआरटी कं. लि., शेनझेन सैमसंग एसडीआई कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे से संबंधित प्रश्नावली और निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दिया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन किया है। प्रतिवादी उत्पादकों तथा निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की जांच कर उनमें पाई गई कमियाँ जारी की गई थीं। प्रश्नावली के उत्तरों, बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों और कमियों संबंधी उत्तरों, जहाँ कहीं प्राप्त हुए हैं, की चीन जन. गण. के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नानुसार जांच की गई है।

क) आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि./आयरिको डिस्प्ले डिवाइसेज कं. लि. (आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि. की सहायक कंपनी)

24. नियंत्रक कंपनी ने पर्याप्त राज्य शेयर धारिता या राज्य नियंत्रण रखने की बात स्वीकार की है। राज्य के ऐसे नियंत्रण द्वारा लागत तथा कीमतें प्रत्यक्षतः प्रभावित होती हैं क्योंकि सबसे बड़ा शेयरधारक

राज्य होता है। अतः स्वामित्व एवं नियंत्रण से संबंधित उपर्युक्त मुद्दों, कंपनी की लागत तथा कीमत और व्यापारिक निर्णयों पर प्रभाव और उसके सत्यापन की जांच के लंबित रहने तक प्राधिकारी का यह विचार है कि चीन के इस उत्पादक-निर्यातक (नियंत्रक तथा सहायक कंपनी) को उसके सामान्य मूल्य के प्रारंभिक निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता।

ख) एलजी फिलिप्स शुंगुआंग इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि., चीन जन. गण. तथा बीजिंग मत्सुशिता कलर सीआरटी कंपनी लि., चीन जन. गण.

25. इन कंपनियों का जाहिरा तौर पर एक भागीदार है जिससे राज्य के नियंत्रण की मौजूदगी की संभावना का पता चलता है। यह देखा गया है कि इसी उत्पाद की अंतर्ग्रस्तता वाले एक समानांतर मामले (2006/781-ईसी) में यूरोपीय आयोग ने उन्हें बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया है। इसे देखते हुए प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से इन कंपनियों को आगे जांच और सत्यापन के अधीन बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थितियों में प्रचालन करने वाला माना है।

ग) शेनझेन सैमसंग एसडीआई कं. लि. (एसएसडीआई) चीन जन. गण.

26. इन कंपनियों का जाहिरा तौर पर एक भागीदारी है जिससे राज्य के नियंत्रण की मौजूदगी की संभावना का पता चलता है। तथापि, इस कंपनी तथा एलजी फिलिप्स और बीएमसीसी की शेयरधारिता की संरचना अत्यंत मिलती-जुलती है। इसके मदेनजर प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से इन कंपनियों को आगे जांच और सत्यापन के अधीन बाजार अर्थव्यवस्था वाली स्थितियों में प्रचालन करने वाला माना है।

घ.3 सामान्य मूल्य

घ.3.1 सामान्य मूल्य/निर्यात कीमत की संगणना हेतु अपनाई गई सामान्य कार्यप्रणाली

27. सामान्य मूल्य निकालते समय केवल आकार हेतु एक कंपनी को छोड़कर सीपीटी के विभिन्न आकारों के लिए पृथक तुलना की गई है। इसके अलावा, जहाँ कहीं सूचित कीमतें सीआईएफ आधार पर नहीं हैं वहाँ उनके उत्तर के आधार पर समायोजनों पर विचार करने के बाद उन्हें कारखाना स्तर में परिवर्तित कर दिया गया है। क्षति मार्जिन हेतु उनके उत्तरों या अन्य सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों (जहाँ निर्यातक हेतु कुछेक समायोजन के लिए सूचना उपलब्ध नहीं हैं) के आधार पर इन कीमतों को सीआईएफ में परिवर्तित किया गया है ताकि सीआईएफ कीमत निकाली जा सके। मलेशिया के मामले में भारत औसत सामान्य मूल्य को सहयोगी निर्यातकों के अलग-अलग सामान्य मूल्य पर आधारित किया गया है।

चीन :-

क. आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि. और आयरिको डिस्प्ले डिवाइसेज कं. लि. (आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि. की सहायक कंपनी)

28. प्राधिकारी ने मलेशिया को एक उचित प्रतिनिधि देश माना है और प्रत्येक आकार हेतु भारत औसत सामान्य मूल्य के आधार पर चीन में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनियों के लिए उसी सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

ख. एलजी फिलिप्स शुंगुआंग इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि., चीन जन. गण., बीजिंग मत्सुशिता कलर सीआरटी कंपनी लि., चीन जन. गण. और शेनझेन सैमसंग एसडीआई कं. लि. (एसएसडीआई) चीन जन. गण.

29. सामान्य मूल्य को संबंधित घरेलू बिक्री कीमतों पर आधारित किया गया है जहाँ कहीं ऐसी घरेलू बिक्रियों पर लाभ प्राप्त हो रहा था और ऐसा कुछेक कंपनियों में ऋण लागत हेतु समायोजनों को छोड़कर निर्यातकों द्वारा दावा किए गए वास्तविक समायोजनों (सत्यापन के अधीन) के बाद किया गया है। घाटे पर की गई बिक्रियों के मामले में सामान्य मूल्य को संबंधित आकारों की उत्पादन लागत तथा लाभकारी घरेलू बिक्रियों पर लाभ को जोड़कर आधारित किया गया है।

मलेशिया

क. चुंगुआ पिक्चर ट्यूब्स (एम) एसडीएन. बीएचडी

ख. सैमसंग एसडीआई (मलेशिया) ब्रह्मांड

30. सामान्य मूल्य को संचयी आधार पर संबंधित घरेलू बिक्री कीमतों पर आधारित किया गया है जहाँ ऐसी घरेलू बिक्रियाँ लाभ पर की गयी थीं और ऐसा निर्यातकों द्वारा दावा किए गए वास्तविक समायोजनों की अनुमति देने के बाद किया गया है। एक कंपनी के लिए आकारों में से एक आकार के मामले में घरेलू बिक्री कीमत को दूसरे निकटतम आकार के साथ उसे जोड़कर निकाला गया है क्योंकि इन दोनों निकटतम आकारों के बीच कीमत अंतर उत्पादन लागत में अंतर से अधिक पाया गया था।

कोरिया

क. एलपीडी, कोरिया

31. सामान्य मूल्य को संबंधित घरेलू बिक्री कीमतों पर आधारित किया गया है जहाँ कहीं ऐसी घरेलू बिक्रियों पर लाभ प्राप्त हो रहा था और ऐसा निर्यातकों द्वारा दावा किए गए वास्तविक समायोजनों (सत्यापन के अधीन) के बाद किया गया है। घाटे पर की गई बिक्रियों के मामले में सामान्य मूल्य को संबंधित आकारों की उत्पादन लागत तथा लाभकारी घरेलू बिक्रियों पर लाभ को जोड़कर आधारित किया गया है।

घ.4 निर्यात कीमत

चीन :-

क. आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि./आयरिको डिस्ट्रीब्यूटर्स डिवाइसेज कं. लि. (आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि. की सहायक कंपनी)

ख. एलजी फिलिप्स शुंगुआंग इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि., चीन जन. गण.

ग. बीजिंग मत्सुशिता कलर सीआरटी कंपनी लि., चीन जन. गण.

घ. शेनझेन सैमसंग एसडीआई कं. लि. (एसएसडीआई) चीन जन. गण.

32. दावा की गई निर्यात कीमत की सत्यापन के अधीन अनुमति दी गई है। इसके अलावा, जहाँ कहीं सूचित कीमतें सीआईएस आधार पर नहीं हैं वहाँ अलग-अलग उत्तर, जहाँ लागू हो, के आधार पर या अन्य सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों के आधार पर समायोजनों की अनुमति देने के बाद उन्हें परिवर्तित किया गया है ताकि आयातों के पहुँच मूल्य का निर्धारण किया जा सके। दावा किए गए अनुसार (सत्यापन के अधीन) निर्यात कीमत में ऐसे अलग-अलग समायोजनों की अनुमति दी गई है। एकीकृत आधार पर वेट के लिए समायोजन भी किए गए हैं। एक निर्यातक के मामले में यह देखा गया था कि निर्यात हांगकांग कंपनी के जरिए किए गए हैं। हांगकांग आधारित कंपनी के संबंध में प्रश्नावली का कोई उत्तर नहीं दायर किया गया है। प्रश्नावली के उत्तर के अभाव में हांगकांग से संबंधित कार्यकलाप के बारे में व्यय को सत्यापन और लाभ के घटक के सत्यापन के अधीन बिक्री मूल्य के 3% के रूप में लिया गया है।

मलेशिया :-

- क. चुंघुआ पिक्चर ट्यूब्स (एम) एसडीएन. बीएचडी
- ख. सैमसंग एसडीआई (मलेशिया) बरहाड

33. दावा की गई निर्यात कीमत की सत्यापन के अधीन अनुमति दी गई है। दावा किए गए अनुसार (सत्यापन के अधीन) निर्यात कीमत में ऐसे अलग-अलग समायोजनों की अनुमति दी गई है। एक निर्यातक के मामले में जहाँ बिक्रियाँ संबद्ध और असंबद्ध दोनों ग्राहकों को की गई हैं, निर्यात कीमत की संगणना असंबद्ध ग्राहकों को की गई बिक्री के आधार पर की गई है।

कोरिया :-

- क. एलपीडी, कोरिया

34. दावा की गई निर्यात कीमत की सत्यापन के अधीन अनुमति दी गई है। दावा किए गए अनुसार (सत्यापन के अधीन) निर्यात कीमत में ऐसे अलग-अलग समायोजनों की अनुमति दी गई है।

35. घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि सैमसंग और एलपीडी द्वारा भारत में अपनी संबद्ध कंपनियों को वस्तु का निर्यात किया जा रहा था। इसके अलावा, सैमसंग इंडिया ने घरेलू उद्योग की कीमत के साथ यह समझौता किया है जिसके आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत कीमतें उनके संबद्ध आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत कीमतों की तुलना में 21% के मामले में 2 अम. डा. प्रति नग तक कम हैं। तदनुसार, घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि सैमसंग की निर्यात कीमत में 2 अम. डा. की कमी की जानी चाहिए। प्राधिकारी ने आगे जांच लंबित रहने तक इस कीमत समायोजन की अनंतिम रूप से मंजूरी नहीं दी है।

घ.5 थाईलैंड के मामले में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

36. थाईलैंड के किसी उत्पादक ने न तो प्राधिकारी को उत्तर दिया है और न ही थाईलैंड में लागत या कीमत के बारे में प्राधिकारी को कोई अन्य सूचना उपलब्ध कराई है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित उत्पादन की परिकलित लागत के अनुमानों

मूल्य										
निवल निर्यात कीमत	केवाई	***	***	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	केवाई	***	***	***	***	***	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	%	***	***	***	***	***	***	(***)	***	5.52

घ. आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स, चीन

	इकाई	14" ए	15"	21 पीएफ ए	कुल
सामान्य मूल्य	आरएमबी	***	***	***	***
निवल निर्यात कीमत	आरएमबी	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	आरएमबी	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	%	***	***	***	25.87

ड. आयरिको डिस्प्ले

	इकाई	21 एफएस
सामान्य मूल्य	आरएमबी	***
निवल निर्यात कीमत	आरएमबी	***
पाटन मार्जिन	आरएमबी	***
पाटन मार्जिन	%	30.31

च. सैमसंग-चीन

	इकाई	21 सीएफएस	21 आईएफएन	29 सीएफएस	कुल
सामान्य मूल्य	आरएमबी	***	***	***	***
निवल निर्यात कीमत	आरएमबी	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	आरएमबी	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	%	***	***	***	10.46

छ. एलपीडी- चीन

	इकाई	21" आरएफ एके
सामान्य मूल्य	आरएमबी	***
निवल निर्यात कीमत	आरएमबी	***
पाटन मार्जिन	आरएमबी	***
पाटन मार्जिन	%	14.51

ज. बीएमसीसी-चीन

	इकाई	14"	15" पीएफ	कुल
सामान्य मूल्य	आरएमबी	***	***	***
निवल निर्यात कीमत		***	***	***

	आरएमबी			
पाटन मार्जिन	आरएमबी	***	***	***
पाटन मार्जिन	%	***	***	25.48

38. देश-वार भारत औसत की स्थिति निम्नानुसार है :-

	इकाई	मलेशिया	कोरिया	चीन	थाईलैंड
सामान्य मूल्य	भा. रू.	***	***	***	***
निवल निर्यात कीमत	भा. रू.	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	भा. रू.	***	***	***	***
पाटन मार्जिन	%	7.53	5.52	15.36	34.48

ड. क्षति निर्धारण और कारणात्मक संबंध की जांच हेतु कार्य प्रणाली

ड.1 घरेलू उद्योग के विचार

39. घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :-

(क) माँग में वृद्धि के प्रत्युत्तर में घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री मात्रा और क्षमता में वृद्धि हुई है। यद्यपि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है तथापि यह वृद्धि माँग में हुई वृद्धि से कम रही थी। परिणामतः क्षमता उपयोग का नुकसान हुआ।

(ख) विदेशी उत्पादकों ने क्षति अवधि के दौरान अपनी कीमतें निरंतर कम रखीं। परिणामतः घरेलू उद्योग समूची अवधि के दौरान अपनी कीमतों को लगातार कम करने के लिए बाध्य हुआ।

(ग) बिक्री कीमतों में लगातार गिरावट आ रही है। वस्तुतः बिक्री कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट से काफी अधिक रही है। वस्तु का कोई भी उत्पादक दीर्घावधि आधार पर ऐसी कीमतों को बरकरार नहीं रख सकता। यदि इस स्थिति पर नियंत्रण और अंकुश नहीं रखा जाता है तो उसकी परिणति रूग्णता में हो सकती है। ऐसी विषम स्थिति के मद्देनजर तत्काल कार्रवाई अपेक्षित है।

(घ) इन वर्षों में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है। ऐसा नहीं है कि घरेलू उद्योग को पूर्व में अच्छी लाभप्रदता हासिल हो रही थी (आयातों द्वारा पिछले कई वर्षों से घरेलू उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धा की जा रही है)। तथापि यह कम से कम जीवित रहा है और उसमें वृद्धि हो रही है (आयातों से कुल मिलाकर घरेलू उद्योग को सतत रूप से खतरा रहा है)। तथापि जांच की वर्तमान अवधि से यह स्थिति पूर्णतः अनियंत्रित और वहनीय सीमाओं से बाहर हो गयी है जब संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में तेजी से गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा हुआ है। समूची क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें इतनी कम रही हैं जिससे कि घरेलू उद्योग के अंशदान मार्जिन में भारी गिरावट आई है। अंशदान मार्जिन संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण प्रभावित हुआ है।

(ड.) घरेलू उद्योग की उत्पादकता में वृद्धि हुई है तथापि इस सकारात्मक स्थिति के बावजूद घरेलू उद्योग के वित्तीय निष्पादन में गिरावट आई है। प्रतिकूल वित्तीय स्थितियों का सामना करने के लिए ही कोई उद्योग अपने संयंत्रगत प्रचालन के निष्पादन को सुधार करने की बात नहीं सोच सकता।

(च) समूची क्षति अवधि के दौरान लगाई गई पूँजी पर आय और नकदी प्रवाह में गिरावट आई है। इसके अलावा, जहाँ लगाई गई पूँजी पर आय 2005-06 तक सकारात्मक थी वहीं यह 2006-07 से नकारात्मक बन गई और जाँच अवधि में यह स्थिति और भी खराब हो गई। आयातों से लगाई गई पूँजी पर आय और घरेलू उद्योग के नकदी प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

(छ) घरेलू उद्योग के औसत स्टॉक में वृद्धि हुई है। ऐसा इस तथ्य के बावजूद हुआ है कि उत्पादन आदेशों के आधार पर विनियमित करवाया जाता है।

(ज) क्षमता वृद्धि के कारण इन वर्षों में घरेलू उद्योग के रोजगार में वृद्धि हुई है। कर्मचारियों को संदत्त वेतन और मजदूरी में वृद्धि हुई है। वस्तुतः याचिकाकर्ताओं के पास मजदूरी में वृद्धि को वहन करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है।

(झ) लगातार प्रतिकूल निष्पादन से घरेलू उद्योग की नई पूँजी जुटाने की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

() संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु पर्याप्त भी है।

(ट) आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त हास हो रहा था। कीमत में पर्याप्त हास के परिणामस्वरूप अंशदान मार्जिन में तेजी से गिरावट आई। घरेलू उद्योग कच्ची सामग्री की लागत में आई गिरावट से कीमत में काफी अधिक कमी करने के लिए बाध्य हुआ। इससे घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर इतना अधिक प्रभाव पड़ा कि घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय नुकसान हुआ जिसमें क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हो रही थी।

(ठ) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2005-06 तक वृद्धि हुई किन्तु प्रस्तावित जाँच अवधि में तेजी से गिरावट आई जब उक्त अवधि में आयातों में भारी वृद्धि हुई।

(ड) संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग अपेक्षित स्तर तक वृद्धि करने में समर्थ नहीं हुआ। यद्यपि माँग, बिक्री और घरेलू उद्योग के उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि हुई थी किन्तु संबद्ध देशों से पाटन के कारण क्षमता उपयोग, अंशदान मार्जिन, लाभप्रदता, नकदी प्रवाह और निवेश पर आय में गिरावट आई एवं इनमें वृद्धि नकारात्मक रही।

(ढ) घरेलू उद्योग को हुई क्षति की पुष्टि बाजार हिस्से, बिक्री कीमत, लाभ, निवेश पर आय और नकदी प्रवाह में गिरावट से की जाती है।

(ण) विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तावित कीमतों में सतत कमी के कारण घरेलू उद्योग बिक्री कीमत में पर्याप्त कमी करने के लिए बाध्य हुआ है। इस बात पर कोई विवाद नहीं किया जा सकता कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें आयात कीमतों पर आधारित होती हैं। समस्त प्रमुख टीवी विनिर्माता अपनी

कीमत संबंधी बातचीत उस कीमत के आधार पर करते हैं जिस कीमत पर वे सामग्री का आयात कर सकते हैं। इस प्रकार घरेलू कीमतें आयात कीमतों के अनुसार निर्धारित की जाती हैं। बिक्री कीमत में कमी विदेशी क्रेताओं की निर्यात कीमत में कमी के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप की गई है।

(त) कुछेक टीवी विनिर्माता अपने संबद्ध आपूर्तिकर्ताओं से सामग्री प्राप्त कर रहे हैं। ये कंपनियाँ अपनी खुद की संबंधित कंपनियों को कीमत अधिमान प्रदान कर रही हैं। परिणामतः घरेलू उद्योग ऐसे संबंधित आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत कीमत से कम कीमत की पेशकश करने के लिए बाध्य हुआ है।

(थ) विदेशी आपूर्तिकर्ताओं और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित ऋण अवधि में पर्याप्त अंतर है।

(द) संबद्ध देशों से हुए आयातों से बाजार में कीमत पर पर्याप्त हासकारी प्रभाव पड़ रहा था। यद्यपि कच्ची सामग्री की लागत में कुछ गिरावट आई थी तथापि बिक्री कीमत में आई गिरावट कच्ची सामग्री की लागत में आई गिरावट से अपेक्षाकृत अधिक थी।

(ध) जेसीटी इलेक्ट्रॉनिक्स के निष्पादन में गिरावट आई है जैसा कि कंपनी द्वारा प्रदत्त सूचना से देखा जा सकता है। यह कंपनी बीआईएफआर के अधीन है। बीआईएफआर के पुनर्वास के अनुसार निष्पादन को समायोजित किए जाने के बाद यह देखा जाएगा कि जेसीटी के निष्पादन में भारी गिरावट प्रदर्शित होती है। इस प्रकार, जेसीटी के प्रचालनात्मक निष्पादन में भारी गिरावट आई है।

(न) जेसीटी मोहाली में अपनी क्षमता का उपयोग नहीं कर सकी। तथापि यदि इस क्षमता पर विचार नहीं किया जा सकता है तो भी इससे पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमता के अनुसार भारी क्षति होने का पता चलता है। मोहाली की क्षमता 1 मिलियन नगों की थी जबकि अप्रयुक्त क्षमता 27% तक की थी।

(प) सेमटेल के मामले में प्रचालन लागत निदेशक मण्डल के अनुमोदन के संदर्भ में है। जब इस प्रचालन लागत को समायोजित किया जाएगा तो यह देखा जाएगा कि निष्पादन में पर्याप्त गिरावट प्रदर्शित हो रही है। जहाँ तक उत्पादन के स्थिरीकरण में विलंब का संबंध है, यह नोट किया जाएगा कि दिसंबर, 2006 के बाद क्षमता उपयोग में तेजी से गिरावट आई है। अगस्त-दिसंबर, 2006 के बीच कंपनी का क्षमता उपयोग 50% से अधिक था जो जनवरी-दिसंबर, 2007 की अवधि के दौरान घटकर 17% हो गया जिससे स्पष्टतः यह प्रमाणित होता है कि यह गिरावट ऑर्डरों की कमी के कारण आई थी।

(फ) भारतीय व्यक्ति निवेशक एसोसिएशन का अभिमत इस तथ्य के मद्देनजर कोई परिणाम/प्रासंगिकता नहीं रखता है कि ये संगत सूचना हासिल करने के बिना अलग-अलग अभिमत हैं।

(ब) यह तथ्य कि नए उत्पादन संयंत्र नकदी पर भी प्रचालन नहीं कर रहे थे प्रचालन लागत पर ही निर्भर नहीं हैं। वस्तुतः बाजार में आई पर्याप्त गिरावट के कारण ऐसा हुआ है।

(भ) इस बात का खंडन किया जाता है कि प्रचालन लागत को नियमानुसार समायोजित किए जाने की जरूरत है। प्रचालन लागत एक सामान्य व्यापार परिदृश्य है और इनके संबंध में प्राधिकारियों द्वारा अनिवार्यतः अनुमति दी जाती है। किसी भी हालत में प्रचालन लागत का प्रभाव केवल ब्याज तथा मूल्य हास लागत पर प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में होता है। इसके अलावा, इसी रिपोर्ट से यह पता चलता है

नहीं हो सकता है। इस बात की शंका है कि वर्ष 2002-03 और 2003-04 के दौरान घरेलू उद्योग को घाटा हुआ हो और उन्होंने इस कारण से इस अवधि के लिए जान-बूझकर सूचना प्रस्तुत नहीं की हो।

(ग) बीआईएफआर द्वारा जेसीटी इलेक्ट्रॉनिक्स को वर्ष 2004 से रूग्ण इकाई घोषित किया गया था और वह जांच अवधि के दौरान रूग्ण बनी हुई है। यह कंपनी उस अवधि के दौरान भी रूग्ण थी जब पाटन का कोई आरोप नहीं था। कंपनी की रूग्णता अन्य कारणों से हुई है न कि आरोपित पाटन के कारण।

(घ) जेसीटी ने मार्च, 2002 में मोहाली संयंत्र में तालाबंदी की घोषणा की थी और वह अपनी सुविधाओं का उपयोग नहीं कर रही है। जेसीटी द्वारा क्षमता का उपयोग न किए जाने का मुख्य कारण मोहाली संयंत्र की तालाबंदी है।

(ङ) बड़ौदा संयंत्र के संबंध में 7.3.2007 की नैगमिक घोषणा में यह उल्लेख है कि इस इकाई के प्रचालन स्थिर नहीं हैं और क्षमता उपयोग कम है। इससे स्पष्टतः यह पता चलता है कि कंपनी में कुछ तकनीकी/अन्य समस्याएँ हैं जिनसे उसे क्षति हा रही है।

(च) सेमटेल कलर को हुई क्षति स्वोद्भूत है।

(छ) सेमटेल द्वारा तीन उत्पादन लाइनों पर 2005-06 तक पारंपरिक सीपीटी का उत्पादन किया जा रहा था। कंपनी ने 310 करोड़ रु. से अधिक के निवेश से 2 और लाइनें जोड़ी- 29” के उत्पादन हेतु कोटा में लाइन 4 और 21” के उत्पादन हेतु दिल्ली में लाइन 5। ये लाइनें जांच अवधि के दौरान प्रचालन में आ गईं और जांच अवधि की समाप्ति तक अस्थिर बनी रहीं। कंपनी के अध्यक्ष ने इस बात की पुष्टि की है कि इन लाइनों में प्रचालनगत लागत का घाटा हुआ है और विलंबित स्थिरीकरण हुआ है।

(ज) भारतीय व्यक्ति निवेशक एसोसिएशन का भी यह मत है कि लाइन 4 और लाइन 5 को जोड़े जाने से कंपनी के लिए गंभीर वित्तीय संकट उत्पन्न हुआ है जिससे उसे घाटा हुआ है।

(झ) सेमटेल ने अपने तिमाही परिणामों में यह स्वीकार किया है कि दो लाइनों के विस्तार के कारण उसे वित्तीय नुकसान हुआ है। ये दोनों लाइनें नकद पर भी प्रचालन नहीं कर रही हैं।

() मनी लाइफ-वैयक्तिक वित्त पत्रिका में प्रकाशित एक लेख के अनुसार सेमटेल के निष्पादन की समीक्षा में यह मत व्यक्त किया गया है कि सेमटेल सतत गिरावट की ओर है।

(ट) सेमटेल ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को यह सूचना दी कि मौजूदा तीन लाइनें पूर्ण क्षमता पर प्रचालन कर रही हैं और लाइन 4 तथा 5 का प्रचालन स्थिर है।

(ठ) सीपीटी की माँग में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग सामग्री की आपूर्ति नहीं कर सका जिससे अधिक आयात हुए।

- (ड) सेमटेल ने यह स्वीकार किया है कि भारत में सीपीटी क्षेत्र में अनेक अप्रतिस्पर्धी विनिर्माण इकाइयों ने पिछले कुछ महीनों से प्रचालन बंद कर दिया है जिससे कंपनी को पर्याप्त बाजार हिस्सा प्राप्त हुआ है जो 36% से बढ़कर 46% हो गया है ।
- (ढ) आयातों में वृद्धि के परिणामस्वरूप प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव का कोई साक्ष्य नहीं है ।
- (ण) प्रतिकूल कीमत प्रभाव का कोई साक्ष्य नहीं है । संबद्ध देशों से कीमत कटौती नकारात्मक है और न ही कीमत ह्रास या न्यूनीकरण का कोई साक्ष्य है ।
- (त) कीमत में गिरावट लागत में गिरावट के कारण आई है ।
- (थ) सैमसंग द्वारा उत्पाद की बिक्री घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी अधिक कीमत पर की जा रही है । घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक मापदण्डों से क्षति का पता नहीं चलता है ।
- (द) क्षमता उपयोग में गिरावट खराब निर्यात निष्पादन के कारण आई है । सेमटेल द्वारा नई लाइन 4 और 5 के स्थिरीकरण में विलंब के परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग कम रहा है ।
- (ध) यदि उत्पादन में कमियाँ समाप्त कर दी जाती हैं तो बिक्री कीमत उत्पादन लागत से अधिक हो जाएगी ।
- (न) माल सूची में वृद्धि से किसी क्षति का पता नहीं चलता है क्योंकि बिक्री के अनुपात, उत्पादन के अनुपात और स्टॉक में उत्पादन दिवस की संख्या के अनुपात में माल सूचियों में कमी आई है ।
- (प) प्रदत्त लाभप्रदता की स्थिति से क्षति का पता नहीं चलता है । घरेलू उद्योग को 2004-05 के दौरान और 2001-02 के दौरान भी घाटा हो रहा था । 2005-06 तथा 2006-07 के दौरान और जांच अवधि के दौरान घाटे में वृद्धि हुई जब प्रमुख घटकों ने नई लाइनों में उत्पादन शुरू कर दिया । लाभप्रदता में गिरावट लाइन 4 और लाइन 5 के कारण आई न कि आरोपित पाटित आयातों के कारण ।
- (फ) रोजगार एवं मजदूरी से भी क्षति का पता नहीं चलता है ।
- (ब) वर्ष 2006-07 के दौरान सेमटेल का नकदी प्रवाह सकारात्मक था । घरेलू उद्योग के नकदी प्रवाह की स्थिति से भी क्षति का पता नहीं चलता है ।
- (भ) क्षति रहित कीमत का निर्धारण अस्थायी उत्पादन को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए ।
- (म) कारणात्मक संबंध का भी कोई साक्ष्य नहीं है । वर्तमान टीवी से एलसीडी में खपत की पद्धति में हुए परिवर्तन क्षति का एक प्रमुख कारण है । इसके अलावा, प्रौद्योगिकी विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक अन्य कारण है ।
- (य) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन भी प्रभावित हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।
- (र) उत्पादकता में वृद्धि का दावा भी सही नहीं है ।

कि कंपनी ने समूची निवेश अवधि के लिए 3.3 वर्ष के रूप में वापसी भुगतान को लक्षित किया था। प्रचालन लागत केवल उच्चतर प्रचालन पूर्व या लाइन 4 में परीक्षण प्रचालन उत्पादन व्यय के संदर्भ में है जिसे ग्राहकों द्वारा माँग किए गए उत्पाद में पुनर्डिजाइन के मदेनजर व्यय किया गया था। लाइन 5 के मामले में कंपनी ने मूलतः 14" लाइन को अनन्यतः निर्दिष्ट करने की योजना बनाई थी जिसे फ्लैक्सी 14" और 21" लाइन में बदल दिया गया था।

(म) निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए "घरेलू उद्योग" को हुई क्षति का निर्धारण करना अपेक्षित है। घरेलू उद्योग के घटकों का अलग-अलग निष्पादन असंगत है।

(य) सैमसंग ने वार्षिक रिपोर्टों का चुनिंदा ढंग से हवाला दिया है। सैमसंग द्वारा संदर्भित उन्हीं रिपोर्टों में क्षति के विभिन्न कारणों के बारे में कंपनी के विचार निहित हैं।

(र) निर्यात निष्पादन को घरेलू या कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में नहीं देखा जाता है। हर हालत में विश्व बाजार में इन उत्पादकों द्वारा उत्पाद के पाटन के कारण निर्यात निष्पादन प्रभावित हुआ है और उनके निर्यातों के संबंध में भारतीय उत्पादकों को परिणामी क्षति हुई है। इसके अलावा, कंपनी ने घरेलू एवं निर्यात प्रचालनों के बारे में अलग-अलग सूचना प्रदान की है और क्षति का दावा स्पष्टतः घरेलू प्रचालनों पर आधारित है।

40. विभिन्न क्षति मापदण्डों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग ने यह दावा किया था कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है और संबद्ध वस्तु के पाटन आयातों से घरेलू उद्योग को भारी क्षति हो रही है। वर्तमान अवधि के दौरान निष्पादन में पर्याप्त और वास्तविक गिरावट आई है। आयातों में वृद्धि से आयातों के बाजार हिस्से में बढ़ोत्तरी हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में बढ़ोत्तरी नहीं हो सकी। इसके विपरीत, जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पर्याप्त गिरावट आई। इसके अलावा, प्रस्तावित जांच अवधि में बाजार हिस्से में पर्याप्त गिरावट आई जिससे उत्पादन क्षमता का काफी कम उपयोग हुआ। आयात कीमत में गिरावट से घरेलू उद्योग कीमतें कम करने के लिए बाध्य हुआ जिससे लाभ मार्जिन में भारी कमी आई और परिणामतः लाभ/हानि, निवेश पर आय तथा नकदी प्रवाह में गिरावट आई।

ड.2 अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

41. विरोधी हितबद्ध पार्टियों ने इस बात का खण्डन किया है कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। उनके विचार संक्षेप में निम्नानुसार हैं-

(क) सीपीटी के तीन प्रकार हैं- पारम्परिक, फ्लैट तथा स्लिम/Vix स्लिम/सुपर स्लिम। घरेलू उद्योग ने जाहिरा तौर पर 21" स्लिम तथा 29" स्लिम का उत्पादन नहीं किया है। चूँकि घरेलू उद्योग ने इन तीनों प्रकारों का उत्पादन नहीं किया है इसलिए इन्हें जाँच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। इन आयातों से कोई क्षति नहीं हो सकती है।

(ख) क्षति अवधि डीजीएडी पद्धति के अनुसार नहीं है। चूँकि अवधि 2006-07 और जांच अवधि लगभग समान है इसलिए इससे घरेलू उद्योग को क्षति का निर्धारण करने में कोई खास प्रयोजन सिद्ध

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

ड.3.1 संचयी निर्धारण

42. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II(iii) में यह उपबंध है कि यदि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करता है कि :

- (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में प्रमाणित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा 3% है तथा उनका संचयी हिस्सा समान वस्तु के आयातों के 7% से अधिक बनता है, और
- (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

43. प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी निर्धारण करना उचित होगा । नीचे किए गए उल्लेख के अनुसार मलेशिया, थाईलैंड, चीन और कोरिया गणराज्य से संचयी रूप से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण करना उचित होगा :-

- i) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से पाटन मार्जिन निर्धारित सीमाओं से अधिक है ।
- ii) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा निर्धारित सीमाओं से अधिक है ।
- iii) निम्नलिखित कारकों के मद्देनजर संचयी निर्धारण उचित है :-
 - क. शामिल वस्तु समान वस्तुएं हैं और वे उसी बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं;
 - ख. आयातित उत्पाद की बिक्री वितरण के उसी माध्यम के जरिए और ग्राहकों की तुलनीय श्रेणी को की जा रही है;
 - ग. दोनों देशों के उत्पादों द्वारा बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती की जा रही है;
 - घ. दोनों देशों से आयातों में वृद्धि हो रही है ।

44. पाटनरोधी अधिनियम के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का अनुवर्ती प्रभाव दोनों की वस्तुपरक जांच का प्रावधान है । प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या आयातों में सापेक्ष रूप से या उत्पादन अथवा आयातक सदस्य में खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है । पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना अपेक्षित है कि क्या आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा अत्यधिक मात्रा में कीमतों में अवमूल्यन या कीमत वृद्धि जो कि अन्यथा काफी अधिक हुई होती, को रोकने के रूप में हुआ है ।

45. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के प्रभाव और उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, कीमत तथा लाभप्रदता पर उसके प्रभाव की संचयी जांच की है ताकि क्षति एवं पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच की जा सके।

46. चूंकि संबद्ध देशों से निर्यातों के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन की पुष्टि की गई है इसलिए संबद्ध देशों से हुए सभी निर्यातों को क्षति विश्लेषण तथा कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना गया है।

च.3.2 मात्रात्मक प्रभाव : पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर प्रभाव

47. प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस से सौदे-वार आयात सूचना प्राप्त की है। प्रतिवादी निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं द्वारा प्रदत्त सूचना, डीजीसीआई एंड एस की सूचना तथा याचिका में उल्लिखित सूचना का मिलान किया गया और स्थिति निम्नानुसार है :-

नग

	जाँच अवधि
निर्यातक उत्तर के अनुसार	
मलेशिया	
चुंगवा	***
सैमसंग	***
कोरिया	***
एलपीडी	***
चीन	***
सैमसंग	***
आयरिको ग्रुप	***
आयरिको डिस्प्ले	***
बीएमसीसी	***
एलपीडी	***
उत्तर के अनुसार कुल	4231771
आयातक उत्तर के अनुसार	
एलजी, इंडिया	***
सैमसंग, इंडिया	***
मिर्क इंडिया	***
डिक्सॉन	***
पेनासोनिक	***
आयातक उत्तर के अनुसार कुल	2776957
याचिका के अनुसार (डीजीसीआई एंड एस व आईसीडी, दादरी द्वारा सूचित आयातों के आधार पर)	3834920

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित आयातकों की वास्तविक मात्रा डीजीसीआई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में सूचित आयातों की मात्रा से काफी अधिक है। घरेलू उद्योग ने यह नोट किया है कि आईसीडी, तुगलकाबाद और दादरी के संबंध में आयात आंकड़े पूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं थे। अतः प्राधिकारी ने निम्न आधार पर आयातों की मात्रा पर विचार किया है-

- i. मलेशिया तथा कोरिया के मामले में इस बात को ध्यान में रखते हुए कि सभी ज्ञात निर्यातकों ने उत्तर प्रस्तुत किए हैं, निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत उत्तर के आधार पर,
- ii. थाईलैंड के मामले में डीजीसीआई एंड एस के आधार पर क्योंकि किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है,
- iii. चीन के निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत उत्तर के आधार पर यद्यपि केवल बीएमसीसी, सैमसंग, आयरिको, आयरिको डिस्प्ले तथा एलपीडी ने उत्तर दायर किए हैं,
- iv. आयातकों के मामले में केवल एलजी सैमसंग, मिर्क, डिक्सन, पेनासोनिक द्वारा उत्तर दायर किए गए हैं जबकि ऐसी कई अन्य कंपनियाँ हैं जिन्होंने घरेलू उद्योग के अनुसार संबद्ध वस्तु का आयात किया है और इसलिए इन आंकड़ों पर विचार नहीं किया गया है,
- v. आईसीडी, दादरी तथा डीजीसीआई एंड एस द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना से यह पता चलता है कि आईसीडी, दादरी में सूचित आयातों की सूचना डीजीसीआई एंड एस की सूचना में दर्ज की गई है।

49. इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पूर्ववर्ती वर्षों के लिए डीजीसीआई एंड एस तथा आईसीडी, दादरी द्वारा सूचित आयात आंकड़ों को नहीं अपना सका है कि प्रतिवादी निर्यातकों ने पूर्ववर्ती वर्षों के संबंध में एकीकृत आधार पर सूचना उपलब्ध नहीं कराई है और न ही उक्त सूचना में समूची क्षति अवधि शामिल है।

ड.3.2.1 आयात मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा

50. संबद्ध देशों से संबद्ध उत्पाद के पाटित आयातों की मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

विवरण	2004-05	2005-06	2006-07	जुलाई, 06 से जून, 07
आयात मात्रा (000 नग में)				
चीन	***	***	***	***
कोरिया दक्षिण	***	***	***	***
मलेशिया	***	***	***	***
थाईलैंड	***	***	***	***
कुल संबद्ध देश	1,938	2,200	3,284	5,342
अन्य देश	403	138	45	66
कुल आयात	2,341	2,338	3,329	5,408
आयातों में बाजार हिस्सा (%)				
चीन	***	***	***	***
कोरिया दक्षिण	***	***	***	***
मलेशिया	***	***	***	***
थाईलैंड	***	***	***	***
कुल संबद्ध देश	82.81	94.11	98.65	98.78
अन्य देश	17.19	5.89	1.35	1.22
उत्पादन	6949	6966	9112	9579
उत्पादन के संबंध में संबद्ध आयात	27.90	31.58	36.04	55.77

51. प्राधिकारी का अनंतिम रूप से यह मानना है कि संबद्ध देशों से आयातों में इस अवधि के दौरान समग्र रूप में, भारत में आयातों के संबंध में और भारत में उत्पादन के संबंध में पर्याप्त वृद्धि हुई है। इसी समय अन्य देशों से आयातों में गिरावट आई है।

ड.3.2.2 माँग एवं बाजार हिस्सा

000 नगों में

	2004-05	2005-06	2006-07	जाँच अवधि
भारत में माँग	10181	10671	12481	14696
➤ घरेलू उद्योग की बिक्री	***	***	***	***
➤ अन्य भारतीय उत्पादक की बिक्री	***	***	***	***
➤ संबद्ध देशों से आयात	***	***	***	***
➤ चीन	***	***	***	***
➤ कोरिया दक्षिण	***	***	***	***
➤ मलेशिया	***	***	***	***
➤ थाईलैंड	***	***	***	***
➤ संबद्ध देश से कुल आयात	1938	2200	3284	5,342
➤ अन्य देशों से आयात	403	138	45	66
➤ भारत में कुल आयात	2341	2338	3329	5,408
बाजार हिस्सा				
➤ घरेलू उद्योग	***	***	***	***
➤ अन्य भारतीय उत्पादक	***	***	***	***
➤ संबद्ध देश	***	***	***	***
➤ चीन	***	***	***	***
➤ दक्षिण कोरिया	***	***	***	***
➤ मलेशिया	***	***	***	***
➤ थाईलैंड	***	***	***	***
➤ कुल संबद्ध देश	19.04	20.62	26.31	36.35
➤ अन्य देश	3.95	1.29	0.36	0.45

52. संबद्ध वस्तु की माँग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री तथा समस्त देशों से सभी आयातों को जोड़कर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की माँग में आधार वर्ष से जाँच अवधि तक वृद्धि हो रही थी। इसमें क्षति अवधि के दौरान लगभग 44% की वृद्धि हुई।

53. प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संगत अवधि के दौरान पाटित आयातों के बाजार हिस्से में पर्याप्त वृद्धि हुई जिससे भारतीय उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटित आयातों से प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव का पता चलता है।

ड.3.2.3 घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री मात्रा और क्षमता उपयोग

54. वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है-

विवरण	2004-05	2005-06	2006-07	000 नगों में जांच अवधि
क्षमता	8100	10100	12650	13800
उत्पादन	6949	6966	9112	9879
क्षमता उपयोग	85.79	68.97	72.03	71.59
बिक्री	4622	5147	7919	8388
मॉग	10181	10671	12481	14696

55. यह नोट किया जाता है कि मॉग में वृद्धि के प्रत्युत्तर में घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है। यद्यपि क्षमता में 57 लाख नग की वृद्धि हुई, उत्पादन में केवल 29.30 लाख नग की वृद्धि हुई लेकिन मॉग में 45 लाख नग की वृद्धि हुई। देश में मौजूदा मॉग के बावजूद घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई।

56. हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह अभ्यावेदन दिया गया है कि मोहाली स्थित जेसीटी की क्षमता पर विचार नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह कुछ समय से निष्क्रिय पड़ी हुई है। अतः उपर्युक्त विश्लेषण में प्राधिकारी ने मोहाली स्थित जेसीटी की उत्पादन क्षमता पर विचार नहीं किया है। इस आशय का भी अभ्यावेदन दिया गया है कि सेमटेल प्रचालनात्मक अड़चनों के मद्देनजर अपनी नई उत्पादन लाइन क्षमता का उपयोग करने में समर्थ नहीं रहा है। प्राधिकारी ने इस लाइन में माह-वार उत्पादन एवं क्षमता उपयोग की जांच की और यह नोट किया कि अगस्त-दिसंबर, 2006 के बीच पाँच माह की अवधि में 50% से अधिक के संयंत्रगत उपयोग हासिल करने के बाद क्षमता उपयोग में पर्याप्त गिरावट आई है। यह निश्चित तौर पर ऐसी स्थिति नहीं हो सकती है जिसमें कंपनी इस स्तर पर पहुँच सके और वह भी तब जब उसके समक्ष ऐसी तकनीकी बाधाएँ हों जिसमें जनवरी-दिसंबर, 2007 की अवधि में उसके उपयोग में 1.2% की गिरावट आ जाए।

च. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

57. नियम 18 के उप नियम (2) में दिए गए उल्लेख के अनुसार कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में पर्याप्त मात्रा तक गिरावट आई है या कीमत वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक सीमा तक हो गई होती।

58. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव की जाँच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की भारित औसत लागत, भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) तथा घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की पहुँच लागत के साथ की गई है।

59. हितबद्ध पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि आयातों द्वारा कीमत कटौती नकारात्मक रही है। दूसरे शब्दों में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पाद की बिक्री आयातों की पहुँच कीमत से कम कीमत पर की जा रही है। तथापि, किसी हितबद्ध पार्टी ने इस बात का खंडन नहीं किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तावित कीमतों के आधार पर अपनी कीमतें तय की जाती हैं। घरेलू उद्योग ने यह अभ्यावेदन

दिया है कि सभी प्रमुख ग्राहकों के साथ कीमत संबंधी बातचीत विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रस्तावित कीमतों के आधार पर की जाती है। घरेलू उद्योग ने यह भी अभ्यावेदन दिया है कि क्षति अवधि के दौरान कीमतों में अभूतपूर्व गिरावट का प्रमुख कारण इन विदेशी उत्पादकों द्वारा की गई कीमत कटौती रहा है।

च.1 विचाराधीन अवधि के दौरान कीमत मूल्यांकन

60. प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान प्रत्येक आकार हेतु अलग-अलग और संबद्ध देशों के लिए संघयी रूप से आयात कीमतों के रुझान की जांच की है। संगत सूचना निम्नानुसार है-

सीआईएफ आयात कीमत	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि	कीमतों में गिरावट
14 पूर्ण ट्यूब	1005	877	791	734	27%
15"	1376	1223	1168	1144	17%
20" पारंपरिक	1608	1364	1359	1302	19%
21" पारंपरिक	2140	1821	1535	1481	31%
21" फ्लैट	2314	1812	1523	1478	36%
21" स्लिम		2010	1904	1835	9%
29" फ्लैट	4198	3469	3306	3262	22%

61. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की सीआईएफ आयात कीमत में गिरावट आई है। कीमत में गिरावट 9% से 36% के बीच रही है। उच्च मात्रात्मक प्रकारों (14" तथा 21" फ्लैट) के संबंध में कीमतों में गिरावट क्रमशः 27% और 36% रही है।

62. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या उपर्युक्त कीमत गिरावट को उत्पादन लागत में आई गिरावट से जोड़ा जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि निर्यातकों ने इस संबंध में संगत सूचना उपलब्ध नहीं की है तथापि, घरेलू उद्योग ने समूची अवधि के लिए सूचना उपलब्ध की है। यह नोट किया जाता है कि यद्यपि उत्पादन लागत में गिरावट आई है तथापि उपर्युक्त गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट से काफी अधिक है।

छ. कीमत कटौती

63. कीमत कटौती का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने निर्यातकों तथा आयातकों/प्रयोक्ताओं द्वारा प्रस्तुत उत्तरों की जांच की है। प्रत्येक प्रतिवादी निर्यातक के लिए कीमत कटौती का अलग-अलग निर्धारण किया गया है। इस प्रयोजनार्थ सीपीटी के प्रत्येक प्रकार की अलग-अलग तुलना की गई है। प्रत्येक प्रकार के लिए कीमत कटौती और उसके बाद समग्र रूप से सीपीटी के लिए भारित औसत का निर्धारण किया गया है। विश्लेषण से निम्नानुसार पता चलता है-

कीमत कटौती तालिका

	सभी प्रकारों का औसत	
कीमत कटौती	Volume	Rs/Pc.
सैमसंग, चीन	***	(***)
सैमसंग, मलेशिया	***	(***)
एलपीडी, चीन	***	***

एलपीडी, कोरिया	***	(***)
मत्सुशिता	***	***
चुंगवा-मलेशिया	***	(***)
आयरिको-चीन	***	***
आयरिको-चीन	***	***
प्रतिवादी निर्यातक	***	(***)
थाईलैंड	***	(***)

64. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत कटौती नकारात्मक है। तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा यह दावा किया गया है कि इस उत्पाद के लिए विशिष्ट बाजारी स्थितियों को ध्यान में रखते हुए भारतीय उत्पादक आयात कीमतों के आधार पर अपनी कीमतें संबद्ध/नियत करने के लिए बाध्य हैं। इस प्रयोजनार्थ भारतीय उत्पादकों ने भारत में प्रमुख ग्राहकों में से कुछेक के संबंध में अपना कीमत निर्धारण फार्मूला उपलब्ध कराया है। इस कीमत निर्धारण फार्मूला में स्पष्ट तौर पर आयात समानता आधार पर या उसकी संबद्धता के अनुसार कीमतों के नियतन का प्रावधान है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियमों के तहत प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि “क्या भारत में पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में आयातक देश में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा अत्यधिक मात्रा में कीमतों में अवमूल्यन या कीमत वृद्धि जो कि अन्यथा काफी अधिक हुई होती, को रोकने के रूप में हुआ है।” इस प्रकार प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसी स्थिति जिसमें कीमत कटौती नकारात्मक है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त स्तर तक प्रयास हो रहा है। निम्नलिखित पैरा में नोट किए गए अनुसार घरेलू उद्योग के निष्पादन से स्पष्ट पता चलता है कि आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास हो रहा था।

65. घरेलू उद्योग ने आगे यह तर्क दिया है कि आयातों पर 4% विशेष अतिरिक्त शुल्क संदेय था जिसे उनकी बिक्री पर उपभोक्ताओं द्वारा संदेय बिक्री कर में सेनवैट योग्य था। तथापि घरेलू उद्योग द्वारा संदेय बिक्री कर सेनवैट योग्य नहीं था। चूंकि उपभोक्ताओं ने उनकी पहुँच लागत के आधार पर अपनी कीमतें तय कीं इसलिए घरेलू उद्योग के लिए इस 4% की अतिरिक्त लागत के परिणामस्वरूप आयातों की तुलना में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति कम रही।

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहाँ कहीं घरेलू उद्योग द्वारा समान मॉडलों की बिक्री की जा रही है वहाँ निर्यातकों तथा भारतीय उत्पादकों की कीमतें अत्यंत तुलनीय हैं। जहाँ कहीं घरेलू उद्योग द्वारा किसी खास मॉडल की पर्याप्ततः अधिक मात्रा की बिक्री नहीं की जा रही है वहाँ घरेलू तथा आयातित उत्पाद के बीच कीमत अंतर काफी अधिक है (आयात महँगे हैं)। यह भी नोट किया जाता है कि 29” आकार की आयात कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों से काफी अधिक हैं। घरेलू उद्योग ने बताया है कि 29” की उनकी कीमतें इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए आयात कीमत से कम थी कि कुछेक निर्यातक अपने संबंधित आयातकों को बिक्री कर रहे थे और इसलिए आयातकों द्वारा अपने संबंधित निर्यातक को कीमत अधिमान प्रदान किया जा रहा था। इसके अलावा, जहाँ तक 29” का संबंध है, चूंकि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2006 से ही अपने उत्पाद की पेशकश शुरू की है इसलिए उपभोक्ता इस बात पर विचार करते हुए कि घरेलू उद्योग ने नया प्रकार उतारा है, आयातों से कम कीमत अदा करने के इच्छुक थे। घरेलू उद्योग ने आगे यह तर्क दिया है कि नियमानुसार संगत विचार इस बात पर किया जाता है कि क्या घरेलू उद्योग की कीमतें आयातों के समकक्ष रखी जा रही हैं। जहाँ तक घरेलू उद्योग द्वारा बेंचमार्क

कीमत निर्धारण हेतु आयातों के प्राथमिक कारण होने का संबंध है, यह माना जाना चाहिए कि कीमतों में गिरावट का कारण आयात थे और इन आयातों से घरेलू उद्योग उत्पादन की संबंधित लागत से कम कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ है।

67. घरेलू उद्योग ने यह भी उल्लेख किया है कि कीमतों के नियतन हेतु निम्नलिखित संगत मापदण्ड हैं-

- क. जिन कीमतों पर उपभोक्ताओं ने सामग्री की आपूर्ति हेतु ऑर्डर दिए हैं वह कीमत नियतन का शुरुआती आधार है।
- ख. जिन ग्राहकों की संबंधित कंपनियाँ भारत से बाहर संबद्ध वस्तु का उत्पादन कर रही हैं ऐसे अनेक ग्राहकों के लिए उनकी संबंधित कंपनियों द्वारा उद्धृत कीमत से कम कीमत रखना अपेक्षित है। यदि कीमतें तुलनीय हैं तो ये ग्राहक संबंधित विदेशी आपूर्तिकर्ता से खरीद को तरजीह देते हैं।
- ग. यद्यपि घरेलू उद्योग के लिए कीमतें तुरंत लागू होती हैं तथापि निर्यातों के लिए आपूर्तियाँ काफी बाद में की जाती हैं।
- घ. जहाँ घरेलू उद्योग के लिए ऋण अवधि 0-20 दिन की होती है वहीं निर्यातकों को 90-225 दिन की अधिक ऋण अवधि प्रदान की जाती है। 12% की ब्याज दर से 90 दिन के ऋण पर लगभग 2% का कीमत प्रभाव पड़ता है।
- ड. निर्यातकों को घरेलू उद्योग की तुलना में काफी अधिक मालसूची लागत वहन करनी होती है। मालसूची लागत को कीमत में शामिल किया जाता है।

68. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बिक्री कीमत में गिरावट आई है जिसका कारण आयातों की पहुँच मूल्य में कमी है।

ज. पाटित आयातों का कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव

69. इस बात की जांच करने के लिए कि क्या आयातों का घरेलू उद्योग की कीमतों पर ह्रासकारी या न्यूनकारी प्रभाव पड़ रहा था, प्राधिकारी ने कच्ची सामग्री की लागत और बिक्री कीमत में रुझानों की जांच की है। संगत स्थिति निम्नानुसार है-

	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
कच्ची सामग्री की लागत				
14 पूर्ण ट्यूब	***	***	***	***
15"	***	***	***	***
20" पारंपरिक	***	***	***	***
21" पारंपरिक	***	***	***	***
21" फ्लैट	***	***	***	***
29" फ्लैट	***	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***	***
14 पूर्ण ट्यूब	***	***	***	***
15"	***	***	***	***

20" पारंपरिक	***	***	***	***
21" पारंपरिक	***	***	***	***
21" फ्लैट	***	***	***	***
29" फ्लैट	***	***	***	***
आयातों की पहुँच कीमत	***	***	***	***
14 पूर्ण ट्यूब	***	***	***	***
15"	***	***	***	***
20" पारंपरिक	***	***	***	***
21" पारंपरिक	***	***	***	***
21" फ्लैट	***	***	***	***
29" फ्लैट	***	***	***	***

70. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में उसी तर्ज पर गिरावट आई है और उसकी मात्रा वही रही है जो कि आयातों के पहुँच मूल्य की है। कीमत में गिरावट काफी अधिक रही है जिससे घरेलू उद्योग प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान उत्पादन लागत से अत्यंत कम कीमत पर उत्पाद की बिक्री करने के लिए बाध्य हुआ है।

71. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निर्धारित करते हैं कि पाटित आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहाँ तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातों की पहुँच कीमत में भारी गिरावट आई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में क्षति अवधि के दौरान पर्याप्त गिरावट आई है। यद्यपि कच्ची सामग्री की लागत में गिरावट आई थी तथापि बिक्री कीमत में गिरावट कच्ची सामग्री की कीमत में आई गिरावट से काफी अधिक थी। इस प्रकार, आयातों के कारण घरेलू उद्योग कीमतों में कमी करने के लिए बाध्य हुआ। कीमत में ऐसी गिरावट काफी अधिक और वास्तविक थी।

झ. क्षति संबंधी अन्य मापदंडों की जांच

72. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य, क्षमता, उत्पादन, घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग और बिक्री तथा पूर्ववर्ती खण्ड में विभिन्न क्षेत्रों के बाजार हिस्से के साथ माँग की पद्धति के प्रभाव की जांच करने के बाद घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का संकेत देने वाले अन्य आर्थिक मापदंडों का निम्नानुसार विश्लेषण किया गया है-

झ.1 लाभ

	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि.
उत्पादन की औसत लागत (रु./नग)	***	***	***	***
औसत बिक्री कीमत (रु./नग)	***	***	***	***
लाभ तथा हानि (रु./नग)	***	***	(***)	(***)
घरेलू बिक्री से कुल लाभ/हानि	***	***	(***)	(***)
सूचीबद्ध	100	75	(137)	(222)

73. यह देखा जाता है कि इन वर्षों के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है। ऐसा नहीं है कि घरेलू उद्योग को न केवल पूर्व में अच्छी लाभप्रदता प्राप्त हो रही थी (आयातों द्वारा पिछले कई वर्षों से घरेलू उद्योग से प्रतिस्पर्धा की जा रही है)। तथापि क्षति अवधि के दौरान स्थिति और अधिक खराब हो गई जब घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण तेजी से गिरावट आई। परिणामतः घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा उठाना पड़ा।

74. कुछेक हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह तर्क दिया गया था कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में अन्य कारकों के कारण गिरावट आई है न कि पाटित आयातों के कारण। यह दावा किया गया है कि पहले भी जेसीटी एक बीआईएफआर कंपनी थी और यह कंपनी अन्य कारणों की वजह से न कि पाटन के कारण अपने मोहाली संयंत्र में उत्पादन को बंद करने के लिए बाध्य हुई है। जहाँ तक सेमटेल का संबंध है, यह तर्क दिया गया है कि इस कंपनी को अधिक लागत तथा नई उत्पादन लाइन के वाणिज्यिकरण के कारण प्राथमिक तौर पर पर्याप्त घाटा हुआ है। अतः इन हितबद्ध पार्टियों के तर्कों पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने इन अन्य कारकों के प्रभाव की जांच की। सेमटेल के मामले में यह नोट किया गया कि कंपनी ने 2004-05 में *** लाख का लाभ कमाया। जबकि जांच अवधि में इसका वित्तीय घाटा *** लाख का था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि उच्चतर ब्याज एवं मूल्यहास संबंधी व्यय के प्रभाव के कारण कर पूर्व लाभ में गिरावट आ सकती है तथापि ब्याज एवं मूल्य हास पूर्व लाभ लागत एवं समय संबंधी प्रचालन द्वारा अप्रभावित रहेगा। अतः प्राधिकारी ने इस कंपनी के लिए ब्याज एवं मूल्यहास से पूर्व लाभ निर्धारित किया। वास्तविक स्थिति निम्नानुसार है-

लाख रु. में				
विवरण	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
कर पूर्व लाभ	***	***	***	***
ब्याज	***	***	***	***
मूल्य हास	***	***	***	***
ब्याज एवं मूल्य हास का योग	***	***	***	***
ब्याज एवं मूल्य हास में वृद्धि (2004-05 की तुलना में)	***	***	***	***
ब्याज तथा मूल्य हास से पूर्व लाभ	***	***	***	***
सूचकांक	100	45	48	29
ब्याज एवं मूल्य हास से पूर्व लाभ में गिरावट (2004-05 की तुलना में)		***	***	***

75. उपर्युक्त से यह देखा जाता है कि यद्यपि कंपनी की ब्याज और मूल्यहास की लागत आधार वर्ष के समान ही रही होगी तथापि उसके लाभों में पर्याप्त गिरावट आई होगी। उपर्युक्त से यह भी देखा जाता है कि ब्याज एवं मूल्यहास से पूर्व लाभ में क्षति अवधि के दौरान उल्लेखनीय गिरावट प्रदर्शित हुई (जो प्रचालन लागत या नए संयंत्र के कारण लागत के उच्चतर प्रभाव के कारण प्रभावित नहीं हो सकती है)।

76. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता तथा घरेलू उद्योग पर पाटन के प्रभाव की आगे और जांच करने के लिए प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान अंशदान मार्जिन की जांच की। इस प्रयोजनार्थ अंशदान मार्जिन पर बिक्री कीमत तथा कच्ची सामग्री हेतु लागत के बीच अंतर के रूप में विचार किया गया है। संगत सूचना से निम्नानुसार पता चलता है-

रु./नग

	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
कच्ची सामग्री की लागत				
14 पूर्ण ट्यूब	***	***	***	***
15"	***	***	***	***
20" पारंपरिक	***	***	***	***
21" पारंपरिक	***	***	***	***
21" फ्लैट	***	***	***	***
29" फ्लैट	***	***	***	***
बिक्री कीमत	***	***	***	***
14 पूर्ण ट्यूब	***	***	***	***
15"			***	***
20" पारंपरिक	***	***	***	***
21" पारंपरिक	***	***	***	***
21" फ्लैट	***	***	***	***
29" फ्लैट			***	***
अंशदान				
14 पूर्ण ट्यूब	***	***	***	***
15"			***	***
20" पारंपरिक	***	***	***	***
21" पारंपरिक	***	***	***	***
21" फ्लैट	***	***	***	***
29" फ्लैट			***	***

घरेलू बिक्री मात्रा

000 नग

14 पूर्ण ट्यूब	***	***	***	***
15"			***	***
20" पारंपरिक	***	***	***	***
21" पारंपरिक	***	***	***	***
21" फ्लैट	***	***	***	***
29" फ्लैट			***	***
कुल अंशदान मार्जिन				लाख रु.
14 पूर्ण ट्यूब	***	***	***	***
15"			***	***
20" पारंपरिक	***	***	***	***
21" पारंपरिक	***	***	***	***
21" फ्लैट	***	***	***	***
29" फ्लैट			***	***
कुल अंशदान मार्जिन	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	89	73	68
अंशदान मार्जिन में गिरावट		***	***	***

77. यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान अंशदान में तेजी से गिरावट आई है। उपर्युक्त से स्पष्टतः यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग निविष्टि सामग्री के कारण लागत में आई कमी से कहीं अधिक अपनी कीमतें कम करने के लिए बाध्य हुआ है। उत्पाद कीमत आयात कीमतों पर निर्भर होने के कारण इससे स्पष्टतः यह पता चलता है कि अंशदान मार्जिन में गिरावट बाजार में पाटित आयातों के कारण आई है।

अ.2 निवेश पर आय एवं नकदी प्रवाह

	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
लगाई गई पूंजी पर आय (%)	***	***	(***)	(***)
सूचीबद्ध	100	93	(33)	(71)
नकद लाभ (लाख रु.)	***	***	(***)	(***)
प्रचालन से नकदी प्रवाह (लाख रु.)	***	***	***	(***)

78. यह देखा जाता है कि लगाई गई पूंजी पर आय और नकद प्रवाह में सूची क्षति अवधि के दौरान गिरावट रही। लगाई गई पूंजी पर आय वर्ष 2005-06 तक सकारात्मक थी। तथापि यह वर्ष 2006-07 से नकारात्मक बन गई और जांच अवधि में स्थिति और अधिक खराब हो गई।

79. जहां तक नकद प्रवाह का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह में तेजी से गिरावट आई। घरेलू उद्योग को सकारात्मक नकद प्रवाह का सामना करना पड़ा। प्राधिकारी ने सीपीटी के उत्पादन तथा बिक्री के बारे में नकद लाभ की स्थिति की भी समीक्षा की। यह देखा गया था कि नकद लाभ में वही स्थिति विद्यमान है। पूर्ववर्ती वर्षों में नकद लाभ सकारात्मक या जो क्षति अवधि में नकारात्मक बन गया।

अ.3 मालसूची

मात्रा '000 नग में

मालसूची	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
आरंभिक मालसूची	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	***	***	***	***
औसत मालसूची	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	135	120	110

80. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन सामान्यतः पुष्ट आदेशों पर किया जाता है। अतः घरेलू उद्योग के पास मालसूची सामान्यतः पुष्ट आदेशों के संबंध में होगी।

अ.4 उत्पादकता

आंकड़े '000 में

	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता (प्रति कर्मचारी नगों की संख्या)	***	***	***	***
प्रतिदिन उत्पादकता	20	20	26	27

81. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में 2005-06 में गिरावट आने के बाद वृद्धि हुई। इस सकारात्मक स्थिति के बावजूद घरेलू उद्योग को खराब वित्तीय निष्पादन का सामना करना पड़ा।

अ.5 रोजगार एवं मजदूरी

	2004-05	2005-06	2006-07	जांच अवधि
कर्मचारियों की सं.	***	***	***	***
मजदूरी (करोड़ रु. में)	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी मजदूरी (लाख रु. में)	***	***	***	***

82. यह देखा जाता है कि रोजगार स्तर में वृद्धि हुई है। ऐसा क्षमता में वृद्धि के कारण हो सकता है। कर्मचारियों को संदत्त वेतन एवं मजदूरी में वृद्धि हुई है जो आंशिक रूप से कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि और आंशिक रूप से मजदूरी में वृद्धि के कारण हुई है। प्रति कर्मचारी औसत मजदूरी में वृद्धि 8.7% बनती है जो अत्यंत मामूली है।

अ.6 वृद्धि

83. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदण्डों पर विचार करते हुए यद्यपि घरेलू उद्योग की मांग, बिक्री, क्षमता तथा उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि हुई थी तथापि क्षमता उपयोग, अंशदान मार्जिन, लाभप्रदता, नकद प्रवाह और निवेश पर आय के संबंध में वृद्धि नकारात्मक रही थी।

क्षति संबंधी निष्कर्ष

84. क्षति संबंधी उपर्युक्त मापदण्डों की जांच से यह पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान मांग में वृद्धि 45% हुई थी। मांग में पर्याप्त समग्र वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई। तथापि बिक्री में वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से काफी कम रही थी। परिणामतः क्षमता उपयोग का ह्रास हुआ। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात वर्ष 2004-05 में 2341 लाख नगों से पर्याप्ततः बढ़कर जांच अवधि के दौरान 5405 लाख नग हो गए अर्थात् 130% की वृद्धि हुई। मांग के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा 2003-04 में 19% से बढ़कर जांच अवधि में 36% हो गया जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। बाजार में बेची जा रही सीपीटी के विभिन्न आकारों की कीमत में लगातार गिरावट आई थी। कीमतों में इस गिरावट का पूर्ण समाधान लागत में गिरावट से हो जाता है। क्षति अवधि के दौरान निर्यातकों द्वारा अपनी कीमतों में लगातार कमी किए जाने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग समूची क्षति अवधि के दौरान अपनी कीमतों को लगातार कम करने के लिए बाध्य हुआ। परिणामतः घरेलू उद्योग की कीमतों में पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई (कीमत में गिरावट 25-40% के बीच रही)। 24" तथा 21" प्लेट के मामले में कीमत में गिरावट काफी अधिक क्रमशः 30% और 40% के बीच रही। कीमत में पर्याप्त ह्रास के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के अंशदान मार्जिन, लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह की स्थिति अत्यंत खराब हो गई। घरेलू उद्योग को भारी वित्तीय घाटा हुआ, निवेश पर आय नकारात्मक रही। नकद प्रवाह नकारात्मक और नकद लाभ नकारात्मक रहे। प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि लाभ, निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में अत्यंत गिरावट आई। यह गिरावट पर्याप्त और

वास्तविक थी। विभिन्न मापदण्डों से सामूहिक और संचयी रूप से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ट. कारणात्मक संबंध

85. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारण के संबंध में अपने निर्णय पर पहुंचने के लिए और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अनुसार तथा यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के नियम 11 के अनुबंध 2 के पैरा (V) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव और घरेलू उद्योग की स्थिति पर उनके परिणामों की जांच की। पाटित आयातों से इतर ज्ञात कारकों, जिनसे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती है, की भी जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन अन्य कारकों से हुई संभावित क्षति का कारण पाटित आयात नहीं है।

ट.1 अन्य ज्ञात कारकों की जांच

ट.1.1 अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत

86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुल आयातों में से जांच अवधि के दौरान अन्य देशों से हुए आयातों की मात्रा 1.23% है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से आयात नगण्य है और इनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंच सकती है।

ट.1.2 मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं आई है। इसके विपरीत क्षति अवधि के दौरान समग्र वस्तु की समग्र मांग में पर्याप्त सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में 45% की वृद्धि हुई है। घरेलू बाजार में उत्पाद की खपत पद्धति में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

ट.1.3 विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र ऐसा बाजार है जहां संबद्ध देशों से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। सीपीटी के विभिन्न प्रकारों के आयात की बिक्री उसी बाजार में उसी तरह से की जाती है जैसे कि सीपीटी की बिक्री घरेलू बाजार में की जा रही है।

89. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग में प्रचलित प्रतिबंधात्मक व्यवहार का ऐसा कोई साक्ष्य प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

ट.1.4 प्रौद्योगिकी में विकास

90. रिकार्डों की जांच के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक संगत कारक नहीं रहा है।

ट.1.5 निर्यात निष्पादन

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में गिरावट आई है तथापि विभिन्न आर्थिक संकेतकों के संबंध में निष्पादन का निर्धारण केवल घरेलू बिक्री के संबंध में किया गया है। अतः प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में गिरावट के कारण नहीं हुई है।

ट.1.6 घरेलू उद्योग की उत्पादकता

92. प्रति व्यक्ति उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

ट.2 कारणात्मकता संबंधी निष्कर्ष

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विरोधी पार्टियों के तर्क इस आशय के नहीं हैं जिससे यह पता चले कि घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हुई है। ऐसा प्रतीत होता है कि विरोधी पार्टियों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। इन हितबद्ध पार्टियों के तर्क पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की मौजूदगी के खिलाफ है। यह दावा किया गया है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण नहीं बल्कि अनेक अन्य कारणों से हुई है। यह भी तर्क दिया गया है कि लाइन 4 और लाइन 5 की स्थापना में सेमटेल द्वारा किया गया अधिक प्रचालन संबंधी व्यय, इन उत्पादन लाइनों में उत्पादन के स्थिरीकरण के प्रमुख कारण हैं जिससे सेमटेल कलर को क्षति हुई है। जहाँ तक जेसीटी का संबंध है, विगत निष्पादन के कारण बीआईएफआर कंपनी के रूप में इस कंपनी की मौजूदगी, मोहाली संयंत्र में तालाबंदी और बड़ौदा में प्रचालनों के अस्थिरीकरण को ऐसे कारकों के रूप में बताया गया है जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों में प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित है कि वह पाटित आयातों से भिन्न ऐसे किसी कारक की जांच करे जिससे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है। नियमों में यह प्रावधान नहीं है कि क्षति का एकमात्र कारण पाटित आयात होने चाहिए। इसके विपरीत नियमों में यह स्वीकार किया गया है कि ऐसे अन्य कारक भी हो सकते हैं जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है और उनमें निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षा की गई है कि वह ऐसी क्षति का कारण पाटित आयातों को न माने। दूसरे शब्दों में प्राधिकारी को अन्य कारकों से हुई क्षति को अलग करना चाहिए और केवल पाटित आयातों से हुई क्षति पर विचार करना चाहिए ताकि यह निष्कर्ष निकाला जा सके कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से ही क्षति हुई है।

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पार्टियों के लिए यह अपेक्षित है कि वे ऐसे अन्य कारकों से हुई क्षति की मात्रा का पता लगाएँ तथापि ऐसी हितबद्ध पार्टियों ने ऐसे अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मात्रा का पता नहीं लगाया है। तथापि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर इन अन्य कारकों के प्रभाव का विश्लेषण किया और यह पाया कि यद्यपि ऐसे अन्य कारकों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति अलग कर दी गयी है तथापि घरेलू उद्योग के निष्पादन में पर्याप्त गिरावट देखी गई है।

96. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के केवल घरेलू प्रचालनों पर विचार किया है और इसलिए निर्यातों में गिरावट और इसकी वजह से हुई क्षति को अलग-अलग किया है। यद्यपि प्राधिकारी यह नहीं समझते हैं कि अधिक लागत असामान्य स्वरूप की है तथापि अधिक लागत का प्रभाव ब्याज एवं मूल्य ह्रास संबंधी व्यय पर पड़ेगा। इसलिए प्राधिकारी ने ब्याज एवं मूल्य ह्रास पर अधिक लागत के प्रभाव की मात्रा का पता लगाया और यह निष्कर्ष निकाला कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है यद्यपि अधिक प्रचालन लागत के प्रभाव को अलग रखा गया है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि अभी भी घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में पर्याप्त गिरावट आई होगी। जहाँ तक सेमटेल कलर द्वारा उत्पादन लाइन के स्थिरीकरण का संबंध है, प्राधिकारी ने माह-दर-माह उत्पादन की जांच की और यह पाया कि इन लाइनों में क्षमता उपयोग में सर्वप्रथम पर्याप्त सुधार आया और तत्पश्चात् उसमें गिरावट आई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती कम उत्पादन स्तर उत्पादन लाइन के अस्थिरीकरण के कारण हो सकता है। तथापि, घरेलू उद्योग ने अगस्त-दिसंबर, 2006 के बीच लगातार पाँच माह तक उत्पादन का अत्यंत उच्च स्तर प्राप्त किया। इस अवधि के दौरान क्षमता उपयोग 50% से अधिक था। तथापि, बाद में जनवरी-दिसंबर, 2007 की अवधि में क्षमता उपयोग में केवल 17% की गिरावट आई। 1 वर्ष की लम्बी अवधि के दौरान इस परवर्ती गिरावट का कारण तकनीकी कठिनाइयाँ नहीं हो सकती हैं जिससे स्पष्टतः यह सिद्ध होता है कि परवर्ती गिरावट तकनीकी कठिनाइयों के कारण नहीं आई है।

97. जहाँ तक जेसीटी का संबंध है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि एकमात्र इस तथ्य कि जेसीटी एक बीआईएफआर कंपनी थी, का तात्पर्य यह नहीं निकाला जा सकता कि जेसीटी को पाटित आयातों के कारण क्षति नहीं हो सकती है। प्राधिकारी ने कंपनी के बीआईएफआर पुनरुद्धार पर विचार किया और बीआईएफआर पुनरुद्धार पैकेज के अनुसार निष्पादन को समायोजित करने के बाद प्रचालनात्मक निष्पादन सुनिश्चित किया। प्राधिकारी मानते हैं कि इस समायोजित स्थिति से यह पता चलता है कि कंपनी के प्रचालनात्मक निष्पादन से उच्चतर गिरावट का पता चला होगा। जेसीटी का मोहाली संयंत्र समूची अवधि के दौरान बंद रहा। अतः क्षमता को किए गए क्षति विश्लेषण में कंपनी के लिए अव्यवहार्य माना गया है।

98. जहाँ तक बड़ौदा इकाई में प्रचालनों की स्थिरता के विवरण का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सैमसंग द्वारा दिए गए संदर्भ पूर्ववर्ती अवधि से संबंधित हैं। यह भी नोट किया जाता है कि इस विवरण के अनुसार कंपनी ने मूल्य ह्रास संबंधी व्यय का प्रावधान नहीं किया था। यदि कंपनी ने मूल्य ह्रास के लिए प्रावधान किया होता तो उसने काफी अधिक घाटे को प्रदर्शित किया होता।

99. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के परिणामस्वरूप कीमत में आई गिरावट के कारण हुई क्षति की तुलना में अत्यंत नगण्य है। घरेलू उद्योग की स्थिति में क्षति अवधि के दौरान वास्तविक विकृति प्रदर्शित होती है जो पाटित आयातों के कारण और अधिक बढ़ गई है। प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हुई है।

ठ. क्षति मार्जिन की मात्रा

100. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्यातों के पहुँच मूल्य के साथ की गई है। संबद्ध देशों से निर्यातों की भारित औसत पहुँच कीमत तथा क्षति मार्जिन का आकलन निम्नानुसार किया गया है :-

ठ.1 क्षति मार्जिन संबंधी गणनाएं

i. चुंगुवा-मलेशिया

रू./नग में

	14" डब्ल्यूवाई	15 " डब्ल्यूवाई	20" डब्ल्यूवाई	21" डब्ल्यूवाई	29" डब्ल्यूवाई	कुल
एनआईपी	***	***	***	***	***	***
पहुँच कीमत	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन (%)	***	***	***	***	***	26.71

ii. सैमसंग- मलेशिया

रू./नग में

	14 सीसीएन	14 आईसीएन	15 सीएफएन	20 सीसीएन	21 सीसीएन	21 सीएफएन	21 एफआईएन	21 सीएफएस	कुल
एनआईपी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
पहुँच कीमत	***	***	***	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन (%)	***	***	***	***	***	***	***	***	25.62

iii. एलपीडी-कोरिया

रू./नग में

	15" आरएफ एके	21" एसयूएस	21" आरएफ एके	29" एसयूएस	29 ' आरएफ	29 ' आरएफ टिन्ट ग्लास	29 ' आरएफ टिन्ट	29" एसयू एसटीएस	कुल
एनआईपी	***	***	***	***	***	***	***	***	***
पहुँच कीमत	***	***	***	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***	***	***	***	***	***
क्षति मार्जिन (%)	***	***	***	(***)	***	***	***	***	26.60

iv. आयरिको ग्रुप- चीन

रू./नग में

	14' ए	15"	21 पीएफ ए	कुल
एनआईपी	***	***	***	***
पहुँच कीमत	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***
क्षति मार्जिन (%)	***	***	***	22.18

v. आयरिको डिस्ट्रे- चीन

रू./नग में

	21 एफएस
एनआईपी	***
पहुँच कीमत	***

क्षति मार्जिन	***
क्षति मार्जिन (%)	44.51

vi. सैमसंग-चीन

रु./नग में

	21 सीएफएस	21 आईएफएन	29 सीएफएस	कुल
एनआईपी	***	***	***	***
पहुँच कीमत	***	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***	***
क्षति मार्जिन (%)	***	***	***	22.97

vii. एलपीडी - चीन

रु./नग में

	21" आरएफ एके
एनआईपी	***
पहुँच कीमत	***
क्षति मार्जिन	***
क्षति मार्जिन (%)	38.07

viii. बीएमसीसी- चीन

रु./नग में

	14"	15" पीएफ	कुल
एनआईपी	***	***	***
पहुँच कीमत	***	***	***
क्षति मार्जिन	***	***	***
क्षति मार्जिन (%)	***	***	21.62

ड. निष्कर्ष

101. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि :

- क. संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- ग. यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

ढ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

102. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है तथापि पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक

विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी। उपभोक्ता अब भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत रख सकेंगे।

103. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ग. सिफारिशें

104. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू कर उसकी सूचना समस्त हितबद्ध पार्टियों को दी गई और पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंध के पहलू पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया। निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति की पाटनरोधी जांच शुरू करने और उसे सम्पन्न करने के बाद और संबद्ध देशों के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की अनंतिम रूप से पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है।

105. अतः प्राधिकारी ऐसा आवश्यक समझते हुए संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित स्वरूप और ढंग से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

106. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जानी वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि और पहुँच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

त. शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष/ टैरिफ मद	विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	धनराशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	8540 11	टेलीवीजन पिकचर ट्यूब्स (विस्तृत विवरण निम्नानुसार है)	निम्न तालिका के अनुसार	मलेशिया	मलेशिया	चुंघुवा पिकचर ट्यूब्स (एम) एसडीएन. बीएचडी	चुंघुवा पिकचर ट्यूब्स (एम) एसडीएन. बीएचडी	निम्न तालिका के अनुसार	प्रति नग	भा. रू.

2	8540 11	- वही -	- वही -	मलेशिया	मलेशिया	सैमसंग एसडीआई (मलेशिया) बरहड	सैमसंग एसडीआई (मलेशिया) बरहड	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
3	8540 11	- वही -	- वही -	मलेशिया	मलेशिया	क्र. सं. 1 और 2 से इतर उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		-वही-	प्रति नग	भा. रु.
4	8540 11	- वही -	- वही -	मलेशिया	मलेशिया के अलावा अन्य कोई देश	कोई	कोई	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
5	8540 11	- वही -	- वही -	संबद्ध देश के अलावा अन्य कोई	मलेशिया	कोई	कोई	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
6	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	कोरिया जन. गण.	कोरिया जन. गण.	एलपीडी	एलपीडी	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
7	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	कोरिया जन. गण.	कोरिया जन. गण.	क्र. सं. 1 और 2 से इतर उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		-वही-	प्रति नग	भा. रु.
8	8540 11	- वही -	- वही -	कोरिया जन. गण.	दक्षिण कोरिया के अलावा अन्य कोई देश	कोई	कोई	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
9	8540 11	- वही -	- वही -	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	कोरिया जन. गण.	कोई	कोई	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
10	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	चीन	चीन	शेनझेन सैमसंग एसडीआई कं. लि.	शेनझेन सैमसंग एसडीआई कं. लि.	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
11	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	चीन	चीन	बीजिंग मत्सुशिता कलर सीआरटी कं. लि.	बीजिंग मत्सुशिता कलर सीआरटी कं. लि.	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
12	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	चीन	चीन	एलजी फिलिप्स शुगुआंग इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि.	एलजी फिलिप्स शुगुआंग इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि.	-वही-	प्रति नग	भा. रु.

13	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	चीन	चीन	आयरिको डिस्प्ले डिवाइसेज कं. लि.	आयरिको डिस्प्ले डिवाइसेज कं. लि.	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
14	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	चीन	चीन	आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि.	आयरिको ग्रुप इलेक्ट्रॉनिक्स कं. लि.	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
15	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	चीन	चीन	क्र. सं. 1 और 2 से इतर उत्पादक तथा निर्यातक का कोई संयोजन		-वही-	प्रति नग	भा. रु.
16	8540 11	- वही -	- वही -	चीन	चीन से इतर कोई देश	कोई	कोई	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
17	8540 11	- वही -	- वही -	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	चीन	कोई	कोई	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
18	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	थाईलैंड	थाईलैंड	कोई	कोई	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
19	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	थाईलैंड	कोई	कोई	कोई	-वही-	प्रति नग	भा. रु.
20	8540 11	- वही -	निम्न तालिका के अनुसार	संबद्ध देशों से इतर कोई देश	थाईलैंड	कोई	कोई	-वही-	प्रति नग	भा. रु.

टिप्पणी 1- उत्पाद का पूर्ण विवरण- विचाराधीन उत्पाद पूर्ण या अपूर्ण थर्मियानिक, कोल्ड कैथोड या फोटो कैथोड वाल्वस एवं ट्यूब्स यथा निर्वात या वाष्पित या गैस पूरित वाल्व तथा ट्यूब मरकरी यार्क रेक्टिफाइंग वाल्व तथा ट्यूब जिन्हें कैथोड रे ट्यूब, टेलीवीजन कैमरा ट्यूब या कैथोड रे कलर टेलीवीजन पिकचर ट्यूब या कलर टेलीवीजन पिकचर ट्यूब या कलर पिकचर ट्यूब आदि के नाम से भी जाना जाता है। वीडियो तथा कंप्यूटर मॉनिटर कैथोड रे ट्यूबें वर्तमान याचिका के दायरे से बाहर हैं।

देश/आकार	14"	15"	20"	21"	29"	अन्य कोई
मलेशिया						
चुंगुआ	878	1269	1400	1705	3563	3563
सैमसंग	917	1382	1552	1731		3906
अन्य कोई	1156	1633	1792	1923	3906	3906
कोरिया						
एलपीडी		1420		1794	3830	3830
अन्य कोई	1422	1953		2282	4369	4369
चीन						
आयरिको ग्रुप	959	1328		1766		4305
आयरिको डिस्प्ले				1670		4305
सैमसंग				1933	4305	4305
एलजी फिलिप्स				1768		4305
बीएमसीसी	979	1331				4305
अन्य कोई	1294	1918		2145	4305	4305
थाईलैंड	1287	1536	1818	1997	3632	3632

टिप्पणी- (क) इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ पारंपरिक सीपीटी का तात्पर्य 435 से अधिक फनेल गहराई वाली सीपीटी/सीआरटी से है, फ्लैट सीपीटी का तात्पर्य 435 से कम किन्तु 400 से अधिक फनेल गहराई वाली सीपीटी/सीआरटी से है और स्लिम सीपीटी का तात्पर्य 350 से कम फनेल गहराई से है।

(ख) यदि खाली ट्यूबों के आयात सूचित किए जाते हैं तो बेंचमार्क में निम्नानुसार कमी की जाएगी-

(i) 123 रु.- 14" के लिए, (ii) 149 रु./- 15" के लिए (iii) 185 रु.- 20" के लिए, (iv) 172 रु.- 21" के लिए।

इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ "पहुँच मूल्य" का तात्पर्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत यथानिर्धारित आकलनीय मूल्य से है और उसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3क, 3ख, 9 तथा 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्क को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल हैं।

थ. आगे की प्रक्रिया

107. प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी :-

क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियाँ आमंत्रित करेंगे जिन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;

ख. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों तथा संबंधित समझी जाने वाली अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;

ग. प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे;

घ. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th May, 2008

Preliminary Findings

Subject : Anti-Dumping Investigations concerning imports of Cathode Ray Colour Television Picture Tubes originating in or exported from Malaysia, Thailand, China PR and Korea RP.

No. 14/8/2007-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

2. WHEREAS M/s Samtel Color Limited and JCT Electronics Limited, (hereinafter referred to as the applicants) filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules), alleging dumping of complete or incomplete cathode ray colour television picture tubes originating in or exported from Malaysia, Thailand, China PR and Korea RP and have requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties on the subject goods.

3. AND WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, after examination of the same with regard to adequacy and accuracy, issued a public notice dated 19th November 2007 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine existence, degree and effect of alleged dumping and the need to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation by the Authority.

- (i) The Authority notified the Embassy of subject countries in India about the receipt of dumping application made by the applicants before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- (ii) The Authority sent copies of initiation notification dated 19th November 2007 to the Embassy of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (iii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the embassies of Malaysia, Thailand, China PR and Korea RP in accordance with Rule 6 supra.
- (iv) The embassies of Malaysia, Thailand, China PR and Korea RP in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6 with a request to advise the exporters/ producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letters and questionnaire sent to the exporters/producers was also sent to them, along with the names and addresses of the exporters.
- (v) The applicant requested the Authority to treat China as a non-market economy country for the purpose of present investigations. For the purpose of initiation, the normal value in China PR was considered based on the price of the subject goods in Thailand, Korea RP or Malaysia as an appropriate market economy country for the purpose of establishing normal value in respect of China PR. The Authority informed the known exporters from China that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para (7) & (8) of Annexure-I of the Anti-Dumping Rules as amended. The concerned exporters / producers of the subject goods from China PR were therefore advised to furnish necessary information/ sufficient evidence, as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Designated Authority to consider whether market economy treatment should be granted to cooperating exporters/producers who could demonstrate that they satisfy the criteria stipulated in the said paragraph. A questionnaire for according market economy treatment was forwarded to all the known exporters/producers in China and the Embassy of the Peoples' Republic of China.
- (vi) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4);

Malaysia

- a) Chunghwa Picture Tubes (M) Sdn. Bhd.
Lot 1, Subang Hi-Tech Industrial Park,
Batu Tiga, 40000 Shah Alam,
Selangor, Malaysia
- b) Samsung Sdi (Malaysia) Berhad
Lot 635 & 660, Kawasan Perindustrian
Tuanku Jaafar, 71450 Sungai Gadut,
Negeri Sembilan Darul Khusus,
Malaysia

Korea RP

- c) Samsung Corporation
Samsung Plaza Bldg. 263 Seohyeon Dong,
Bundang-Gu, Sungam Si,
Gyeonggi Do,
Korea 463-271

Thailand

- d) Mt Picture Display (Thailand) Co., Ltd.
142 Moo 5, Bangkadi Industrial Park,
Tivanon Rd., Tumbol Bangkadi,
Amphur Muang, Pathumthani 12000
Thailand

China PR

- E) Irico Group Electronics Co. Ltd.
Irico Import And Export Company
No. 1 Caihong Road,
Xinyang, Shaanxi, P.C. 712021

(vii) Following exporters/producers have responded to the exporter's questionnaire in a substantial manner and notice of initiation:

- (a) Chunghwa Picture Tubes (M) Sdn. Bhd.
- (b) Samsung Sdi (Malaysia) Berhad
- (c) Irico Group Electronics Co. Ltd. China PR.
- (d) Irico Display Devices Co. Ltd. China PR.
- (e) LG Philips Shuguang Electronics Co Ltd. China PR.
- (f) Beijing Matsushita Color CRT Co Ltd. China PR
- (g) Shenzhen Samsung SDI Co., Ltd (SSDI) China PR.

(h) LPD Korea.

Some of the responding exporters requested for extension of time for submissions to the exporters questionnaire (due by 29.12.2007) which was provided across the board to all responding exporters upto 31st of January 2008 for submission of their responses.

- (viii) Questionnaires were sent to following known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

a) Dixon Utilities & Exports Limited
B-14, Phase – II,
Noida – 201305 (U.P.)

b) LG Electronics India Pvt. Ltd.
Plot No. 51, Udyog Vihar,
Surajpur-Kasna Road,
Greater Noida (U.P.)

c) Panasonic Avc Networks India Co. Ltd.
C-52, Phase – II,
Noida – 201305 (U.P.)

d) Mirc Electronics Limited
Onida House, G-1, Midc,
Mahakali Caves Road,
Andheri (East)
Mumbai – 400093

e) Samsung India Electronics Pvt. Ltd.
B-1, Sector-81,
Phase – II,
Noida – 201305 (U.P.)

f) Videocon International Ltd.
14 Kms. Stone,
Aurangabad-Paithan Road, Chitegaon,
Tq. Paithan,
Dist. Aurangabad - 431105

g) Philips Electronics India Ltd.
Plot 80, Bhosari Industrial Estate,
P.B.12,
Pune – 411026

- ix) In response to the above notification, M/s Dixon Technologies (India) Pvt. Ltd., Panasonic Avc Networks India Co. Ltd, Samsung India Electronics Pvt. Ltd, LG Electronics India Pvt. Limited and Mirc Electronics Limited have responded and filed importer questionnaire response;
- (x) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and for the period of investigations;
- (xi) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- (xii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. For the purpose, domestic industry was directed to provide its cost of production duly certified by a practicing cost accountant.
- (xiii) *** in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;
- (xiv) The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st July, 2006 to 30th June, 2007 (12 months). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 1st April 2004 to the end of the POI.
- (xv) The following conversion rates for responding countries have been adopted, based on the weighted average for the POI, for this investigation.

Country	Currency	USD
China	1 RMB	7.807
Malaysia	1 Malaysian Ringgit	3.5583
South Korea	1 South Korean Won	925.93
Thailand	1 Thai Bhat	34.94

The Rs / US\$ conversion rate has been taken as Rs 44.80= 1 US \$.

- (xvi) The Authority provided opportunity to the importers/ industrial users of the product under consideration to furnish information considered relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality.

- (xvii) The Authority satisfied itself with regard to accuracy of the information provided by the interested parties to the extent considered necessary at this stage.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. The product under consideration is "complete or incomplete cathode ray colour television picture tubes", more elaborately described as "thermionic, cold cathode or photo cathode valves and tubes such as vacuum or vapor or gas filled valves and tubes, mercury arc rectifying valves and tubes, also called cathode ray tubes, television camera tubes or cathode ray colour television picture tubes, or colour television picture tubes, or colour picture tubes etc." and has been referred to as colour picture tubes or "CPT" or "CRT" in this notification. Video and computer monitor cathode ray tubes are beyond the scope of the present petition.
6. The subject goods fall under Chapter 85 of the Custom Tariff Act, 1975 under subheading no. 8540.11. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
7. A number of interested parties have represented before the Authority that 21" slim picture tubes and 29" tubes should be excluded from the scope of the present investigations and proposed measures. The claim for exclusion of 21" slim is based on the ground that this type is not produced by the domestic industry. The claim of 29" tube is based on the ground that the domestic industry has only recently commenced commercial production and that 29" slim is not produced by the domestic industry.
8. Rule 2(d) of AD Rules defines Like Article as
- "An article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."*
9. The claim made by the interested parties was examined in detail by the Authority considering the various legal provisions. It is noted from the DGCIS data and responses of the interested parties that 21" slim picture tubes were imported in India from Samsung Malaysia/China and LPD Korea. Cumulative exports of 21" slim and 29" different sizes by various exporters were as follows :

	Volume ('000 pcs)
Imports of 21" slim	191
Imports of 29" all types	302
Total imports in India	5408
Demand in India	14696
Share in imports	

21" slim	3.53%
29" all sizes	5.58%
Share in demand	
21" slim	1.30%
29" all sizes	2.05%

10. The Authority notes that the volume of 21" and 29" slim imported during the investigation period was quite small in comparison of total imports.

11. The Authority examined product characteristics. It was found that through technological improvements, flatness of a picture tube was gradually increased. The producers were earlier producing picture tubes with curved panel. The flatness of panels were gradually increased to produce flat picture tubes. These were designated as flat, super flat, real flat, etc. with gradual increase in flatness. The efforts are now to reduce the size of funnel. These are being described as slim, super slim and ultra slim picture tubes.

12. The Authority notes that domestic industry argued that development of a new product type is an on going process. The domestic industry further argued that the consumers have already started demanding that the domestic industry should focus on development of "ultra slim", as the producers intended to phase out "slim". Domestic industry therefore argued that it is not ruled out that the producers would invent some new product type in due course of time. This is however, desirable in line with the changing market trends. However, merely because the size of funnel has been altered and the resultant product is described as "slim" or ultra slim picture tube, the resultant product does not become a different product. Slim or ultra slim picture tubes have essentially the same product characteristics as other variants of 21" tube. The interested parties have not established how 21" slim picture tube and other types of 21" tubes are dislike products in terms of parameters such as product characteristics, manufacturing process, raw materials, plant & equipment, functions & uses, etc. The only arguments of the interested parties are that there are significant difference in physical properties, there are significant price differences and that slim or ultra slim CRTs are not produced in India. With regard to the price difference, the Authority notes that higher price of a newly introduced variant does not render it a different product. Further, the questionnaire responses filed by the exporters does not show significant price differences between flat and slim CRTs. Difference in physical characteristics does not mean difference in essential product properties. Difference in physical characteristics merely calls for a price adjustment. The fact that a particular type of the product is not produced in the Country does not mean, by itself, that the product type should be excluded from the scope of duty. It must be established that the goods offered by the domestic industry are not like article to the imported article.

13. As regards 29" picture tube, the investigation has shown that the domestic industry has made significant investments for production of this type of picture tubes and has in fact produced significant commercial volumes of this type. The information provided by the domestic industry showed that its capacity utilization for 29" production

line increased after commencement of production and remained at quite high levels between Aug.-Dec., 2006. However, capacity utilization declined thereafter very significantly to a level of about 17% during Jan.-Dec., 2007 period. The domestic industry has argued that it is being prevented from utilizing these facilities and the plant utilization is suffering heavily. The domestic industry argued that its plant for production of 29" has remained idle for a long period.

14. In view of the above, the Authority provisionally concludes, pending further investigation and verification of the exporters response, that it would not be appropriate to exclude these two types of picture tubes.

15. Barring above, there is no claim that there is significant difference between the subject product produced by the domestic producers and the products imported from subject countries. The two are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, quality, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.

16. The applicants have claimed that goods produced by them are like article to the goods originating or exported from Malaysia, Thailand, China PR and Korea RP. The imported product is also used by same category of consumers. The product contains the same basic technical properties and has the same functions & uses.

C. DOMESTIC INDUSTRY

17. Rule 2(b) defines domestic industry as under:-

(b) "Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry:

18. The application has been filed by Samtel Color Limited and JCT Electronics Limited. The petitioner has provided information relevant to the present investigations. The subject goods are also produced by BPL Display Devices Limited. They have fully supported this petition filed by the two companies. It is claimed that due to heavy dumping they had to suffer huge financial losses which led to suspension of their production. Production of the petitioner companies constitutes more than 50% and a major proportion of Indian production.

19. After detailed preliminary investigations, the Authority notes that (a) production of the Samtel Color Limited and JCT Electronics Limited constitute a major proportion in Indian production (b) Production of the petitioners constitutes more than 50% of Indian production (c) the application was made by or on behalf of the domestic industry. Further, Samtel Color Limited and JCT Electronics Limited constitute domestic industry within the meaning of the rule 2(b) read with 2(d) for the purpose of the present findings.

D. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

D.1 Claims of domestic industry

20. The domestic industry has raised following arguments

- (a) Normal value in case of China should be determined in accordance with para-7 of Annexure-I.
- (b) Normal value in case of other countries should be determined on the basis of constructed cost of production. The claims of these companies that they are making profits cannot be correct, considering the information in public domain where these companies have been claiming that their CRT businesses are in losses. The domestic industry has referred to the news release/reports with regard to these foreign producers, wherein these companies have reportedly stated that their CRT business is in losses.
- (c) Thai producer has suffered so significant losses that the company has closed operations.
- (d) Samsung Korea is being investigated by Korean authorities for a number of illegal activities.
- (e) The EC and the Canadian authorities are investigating a large number of CRT producers on allegations of price rigging by major CRT producers. The investigations are mainly directed against LG, Samsung, Chunghwa, etc.
- (f) The responding Chinese companies cannot be granted market economy treatment at this stage, as they have not been able to establish that they pass all the necessary tests. Even if one of the conditions laid down under the Rules is not satisfied, market economy treatment cannot be given.
- (g) Export price of Samsung and LG must be constructed in view of relationship between the buyer and the seller. Samsung has a clear condition that it would buy from its related suppliers, unless prices offered by the Indian Producers is cheaper by at least US \$ 2 per pc. for 21". Therefore, the export price claimed by the exporter must be adjusted by US \$ 2 per pc. on account of affiliation. In the absence of any claim by LG, the price of LG must also be adjusted by the same amount.

D.2 Examination of Market economy claims

21. The Authority notes that in the past three years, China PR has been treated as a non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO

Members. Therefore, in terms of para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules.

22. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

23. The Authority notes that several producers and exporters i.e. Irico Group Electronics Co. Ltd., Irico Display Devices Co Ltd, LG Philips Shuguang Electronics Co Ltd, M/s Beijing Matsushita Color CRT Co Ltd, Shenzhen Samsung SDI Co., Ltd; from China have responded to the questionnaire pertaining to market economy status and to the exporters' questionnaire, consequent upon the initiation notice issued by the Authority and rebutted the non-market economy presumption. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters were examined and deficiencies were issued. The questionnaire responses, market economy responses and deficiency replies, wherever received, have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the China PR as follows.

- a) **Irico Group Electronics Co. Ltd./ Irico Display Devices Co Ltd (Subsidiary of Irico Group Electronics Co. Ltd)**

24. The Holding company has admitted of having substantial state holding or state control. The cost and prices are apparently affected by such state control, as the largest shareholder is state. Therefore, pending examination of the above issues regarding ownership and control, its impact on the cost and prices and business decisions of the company, and verification of the same, the Authority is of the view that this producer-exporter (Holding as well as the Subsidiary company) from China cannot be granted market economy status for the preliminary determination of its Normal Value.

b) LG Philips Shuguang Electronics Co Ltd. China PR. & Beijing Matsushita Color CRT Co Ltd. China PR.

25. These companies admittedly have a partner indicating possibilities of the presence of state holding. It has been seen that in a parallel case involving the same product (2006/781-EC), the European Commission has granted them market economy status. In view of this, the Authority has provisionally treated these Companies to be operating under Market Economy conditions subject to further investigation and verification.

c) Shenzhen Samsung SDI Co., Ltd (SSDI) China PR.

26. This company admittedly has a partner indicating the possibilities of the presence of state holding. However, the shareholding structure of this company and LG Phillips and BMCC are quite similar. In view of this, the Authority has provisionally treated this company to be operating under Market Economy conditions subject to further investigation and verification.

D.3 NORMAL VALUE

D.3.1. Common methodology followed for calculating normal value/ export price

27. While arriving at the normal value, separate comparison for different sizes of CPT have been made, except in one company for one size only. Further, wherever the prices reported are not on CIF basis, the same have been converted into ex-factory after considering adjustments based on their response. For injury margin, these prices have been converted into CIF based on their responses or other cooperating exporters data (where information for certain adjustment for the exporter is not available) to arrive at CIF price. In case of Malaysia, weighted average normal value is based on individual normal value of the cooperating exporters.

China: –

a. Irico Group Electronics Co. Ltd. and Irico Display Devices Co Ltd (Subsidiary of Irico Group Electronics Co. Ltd)

28. The Authority has considered Malaysia as an appropriate surrogate country and has determined the same normal value for the non market economy companies in China on the basis of weighted average normal value for each size.

- b. **LG Philips Shuguang Electronics Co Ltd. China PR, Beijing Matsushita Color CRT Co Ltd. China PR and Shenzhen Samsung SDI Co., Ltd (SSDI) China PR:**

29. The normal value has been based on respective domestic selling prices wherever such domestic sales were in profit and after allowing actual adjustments claimed by the exporters (subject to verification) barring the adjustments on account of credit cost in some companies. In case of loss making sales, the normal value has been based on the cost of production of respective sizes and adding profit based on profitable domestic sales.

Malaysia:-

- a. **Chunghwa Picture Tubes (M) Sdn. Bhd.**
b. **Samsung Sdi (Malaysia) Berhad**

30. The normal value has been based on respective domestic selling prices, on cumulative basis, wherever such domestic sales were in profit and after allowing the actual adjustments claimed by the exporters. In case of one of the sizes for one company, the domestic selling price has been arrived at by clubbing with another nearest size as the price difference between these two nearest sizes was found to be far higher than the difference in cost of production.

Korea:-

- a. **LPD, Korea**

31. The normal value has been based on respective domestic selling prices wherever such domestic sales were in profit and after allowing the actual adjustments claimed by the exporters (subject to verification). In case of loss making sales, the normal value has been based on the cost of production of respective sizes and adding profit based on profitable domestic sales.

D.4. EXPORT PRICE:

China:-

- a. **Irico Group Electronics Co. Ltd./ Irico Display Devices Co Ltd (Subsidiary of Irico Group Electronics Co. Ltd)**
b. **LG Philips Shuguang Electronics Co Ltd. China PR**
c. **Beijing Matsushita Color CRT Co Ltd. China PR**
d. **Shenzhen Samsung SDI Co., Ltd (SSDI) China PR:**

32. The export price has been allowed as claimed subject to verification. Further, wherever the prices reported are not on CIF basis, the same have been converted after

allowing adjustments based on individual response, wherever applicable, or based on other cooperating exporters data in order to determine landed price of imports. Individual adjustments from the export price, as claimed (subject to verification) have been allowed. The adjustment on account of VAT has also been made on uniform basis. It was seen in case of one of the exporter that the exports have been made through Hong Kong company. No questionnaire response has been filed in respect of Hong Kong based entity. In absence of questionnaire response, the expenses in respect of Hong Kong related activity have been taken as 3% of the sales value subject to verification towards expenses and element of profit.

Malaysia:-

- a. **Chunghwa Picture Tubes (M) Sdn. Bhd.**
- b. **Samsung Sdi (Malaysia) Berhad**

33. The export price has been allowed as claimed subject to verification. Individual adjustments from the export price, as claimed (subject to verification) have been allowed. In case of one of the exporters where sales have been made to both affiliated and unaffiliated customers, export price has been calculated based on sales to unaffiliated customers.

Korea:-

- a. **LPD, Korea**

34. The export price has been allowed as claimed subject to verification. Individual adjustments from the export price, as claimed (subject to verification) have been allowed.

35. The domestic industry claimed that Samsung and LPD were exporting the goods to their affiliated companies in India. Further, Samsung India has all along agreed to a price with the domestic industry on the basis that the prices offered by the domestic industry are lower by US \$ 2 per piece in case of 21" as compared to the prices offered by their affiliated suppliers. Accordingly, the domestic industry has argued that the export price of Samsung must be reduced by US \$ 2. The Authority has provisionally not granted this price adjustment, pending further investigations.

D.5. Normal value, export price and dumping margin in case of Thailand

36. No producers in Thailand have responded to the Authority, nor has any other information been made available to the Authority with regard to costs or prices in Thailand. Under the circumstances, the Authority has determined normal value in Thailand on the basis of estimates of constructed cost of production, duly adjusted to include a profit margin. Export price has been determined on the basis of imports information reported to the Customs. Normal value, export price and dumping margins have been determined separately for each type. Cumulative dumping margin has been determined considering the associated volumes.

D.6. DUMPING MARGIN

37. The Authority has determined both the normal value and export price at ex-factory level, separately for each size. Cumulative dumping margin has been determined considering the associated volumes. Thus, the Authority considers that the comparison made constitutes a fair comparison. Considering the normal value and export price determined as detailed above, dumping margin has been determined provisionally, which comes as under:-

a. Chungwa- Malaysia

	Unit	14"WY	15"WY	20"WY	21"WY	29"WY	TOTAL
Normal Value	RM	60.90	103.45	98.93	113.20	234.27	71.37
Net Export Price	RM	55.07	82.12	87.70	111.96	238.42	65.83
Dumping Margin	RM	5.84	21.33	11.23	1.24	(4.15)	5.54
Dumping Margin	%	10.60	25.98	12.81	1.11	(1.74)	8.42

b. Samsung- Malaysia

	Unit	14CCN	14ICN	15CFN	20CCN	21CCN	21CFN	21FIN	21CFS	TOTAL
Normal Value	RM	60.90	52.93	103.45	98.93	116.83	113.20	96.42	116.31	96.50
Net Export Price	RM	56.57	56.13	86.86	97.38	98.72	111.15	94.91	116.64	90.11
Dumping Margin	RM	4.34	(3.21)	16.59	1.55	18.11	2.04	1.52	(0.33)	6.40
Dumping Margin	%	7.67	(5.71)	19.10	1.60	18.35	1.84	1.60	(0.28)	7.10

c. LPD- Korea

	Unit	15"RF AK	21"SUS	21"RF AK	29"SUS	29'RF	29'RF Tint Glass	29'RF Tint	29"SUS STS	TOTAL
Normal Value	KY	25,338	37,870	32,169	86,487	69,833	67,703	57,399	83,740	39,605
Net Export Price	KY	24,141	35,500	30,384	74,673	69,215	66,590	59,279	73,683	37,532
Dumping Margin	KY	1,197	2,369	1,786	11,814	618	1,113	(1,880)	10,057	2,073
Dumping Margin	%	4.96%	6.67%	5.88%	15.82%	0.89%	1.67%	-3.17%	13.65%	5.52%

d. Irco Group Electronics China

	Unit	14'A	15"	21 PF A	TOTAL
Normal Value	RMB	133.68	227.07	248.46	136.71
Net Export Price	RMB	105.99	157.39	214.06	108.61
Dumping Margin	RMB	27.69	69.68	34.40	28.10
Dumping Margin	%	26.13%	44.28%	16.07%	25.87%

e. Irco Display

	Unit	21 FS
Normal Value	RMB	248.46
Net Export Price	RMB	190.66
Dumping Margin	RMB	57.80
Dumping Margin	%	30.31%

f. Samsung – China

	Unit	21CFS	21IFN	29CFS	TOTAL
Normal Value	RMB	280.93	244	633.21	371.57
Net Export Price	RMB	263.67	188.41	575.42	336.38
Dumping Margin	RMB	17.26	55.81	57.79	35.19
Dumping Margin	%	6.55	29.62	10.04	10.46

g. LPD - China

	Unit	21"RF AK
Normal Value	RMB	244.22
Net Export Price	RMB	213.27
Dumping Margin	RMB	30.95
Dumping Margin	%	14.51%

h. BMCC- China

	Unit	14"	15"PF	Total
Normal Value	RMB	143.21	194.84	146.38
Net Export Price	RMB	113.52	164.60	116.65
Dumping Margin	RMB	29.69	30.23	29.72
Dumping Margin	%	26.15%	18.37%	25.48%

38. The weighted average position country wise is as follows;

	Unit	Malaysia	Korea	China	Thailand
Normal Value	INR	1,088	1,916	1,344	1,760
Net Export	INR	1,012	1,816	1,165	1,309

Price					
Dumping Margin	INR	76	100	178.94	451
Dumping Margin	%	7.53	5.52	15.36	34.48

E. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINKS

E.1 Views of the domestic industry

39. The followings are the views of domestic industry:-

(a) Production, sales volume and capacity of the domestic industry has increased in response to increase in demand. Even though production and sales of the domestic industry increased, the increase in the same was far lower than the increase in the demand. Resultantly, the capacity utilization suffered.

(b) Foreign producers kept reducing their prices consistently over the injury period. Resultantly, the domestic industry was forced to reduce its prices consistently throughout the period.

(c) Selling prices have been constantly declining. In fact, the declines in the selling prices have been more than declines in the cost of production. No producer of goods can sustain such kind of prices on long-term basis. The situation is bound to result in sickness unless checked and controlled. In view of such precarious situation, urgent action is required to be taken.

(d) Profitability of the domestic industry has declined over the years. Not that the domestic industry was having good profitability earlier (imports have been competing with the domestic industry for past several years). However, at least it was surviving and growing (imports have all along been a constant threat to the industry). Situation has, however, gone completely out of control and beyond tolerable limits from the present period of investigation, when the domestic industry's profitability steeply declined due to dumped import from the subject countries and the domestic industry was faced with huge financial losses. The selling prices of domestic industry throughout the injury period were so low that the contribution margin of the domestic industry deteriorated significantly. Contribution margin got affected due to the dumped imports from the subject countries.

(e) The productivity of the domestic industry increased. However, in spite of this positive situation, the domestic industry was faced with deteriorating

financial performance. No industry can think of improving its plant operational performance only to face adverse financial situations.

(f) The return on capital employed and cash flow deteriorated throughout the injury period. Further, whereas return on capital employed was positive upto 2005-06, the same became negative from 2006-07 and the position deteriorated further in the investigation period. The imports are adversely affecting the return on capital employed and cash flow of the domestic industry.

(g) The average stocks of the domestic industry have increased. This is in spite of the fact that the production gets regulated on the basis of orders.

(h) The employment of the domestic industry over the years has increased due to increase in capacity. Salary & wages paid to the employees have been increasing. Petitioners have, in fact, no other option but to afford wage increases.

(i) Persistent adverse performance would adversely impact the ability of the domestic industry to raise fresh capital.

(j) The dumping margin from the subject countries are not only more than de-minimus, but also quite significant.

(k) Imports were significantly depressing the prices of the domestic industry in the market. As a result of significant price depression, contribution margin steeply declined. The domestic industry has been forced to reduce the price significantly higher than the decline in raw material costs. This has so significantly impacted the profitability of the domestic industry that the domestic industry faced huge financial losses, which kept increasing over the injury period.

(l) Market share of domestic industry increased till 2005-06, but declined very steeply in proposed POI with significant increase in imports in that period.

(m) Due to dumping of subject goods in India from subject countries, the domestic industry is not able to grow up to the mark. Even though there was positive growth in demand, sales, and production of the domestic industry, but due to dumping from subject countries, capacity utilisation, contribution margin, profitability, cash flow and return on investment deteriorated and growth therein was negative.

(n) Injury to the domestic industry is established by decline in market share, selling prices, profit, return on investments and cash flow.

(o) The domestic industry has been forced to reduce the selling price significantly because of consistent reduction in prices offered by foreign producers. It cannot be disputed that the selling price of the domestic industry is based on the import prices. All major TV manufacturers do their price

negotiations based on the price at which they can import the material. Thus, domestic prices are benchmarked to import prices. The reduction in selling price is direct result of reduction in export prices by the foreign producers.

(p) Some of the T.V manufacturers are sourcing material from their affiliated suppliers. These companies have been giving a price preferences to their own related companies. Resultantly, the domestic industry is forced to offer a price lower than the price offered by such related suppliers.

(q) There is a significant difference in credit period offered by foreign suppliers and domestic industry.

(r) Imports from subject countries were significantly depressing the prices in the market. Even though there had been some decline in raw material cost, the decline in selling prices were far more than decline in raw materials costs.

(s) Performance of JCT Electronics deteriorated as would be seen from the information provided by the company. The company is under BIFR. Once the performance is adjusted as per BIFR rehabilitation, it would be seen that the performance of JCT shows much severe deterioration. Thus, operational performance of JCT deteriorated significantly.

(t) JCT could not utilize its capacity at Mohali. However, even if this capacity was not considered, the data still show significant injury having suffered in terms of significant unutilised capacity. Capacity of Mohali was 1 million pieces, whereas unutilized capacity was to the extent of 27%.

(u) In case of Samtel, the cost over run is with reference to the Board of Directors approval. Even if this cost over run is adjusted, it would be seen that the performance shows significant deterioration. As regards delay in stabilization of production, it would be noted that the capacity utilization declined steeply after Dec., 2006. Capacity utilization of the company between Aug.-Dec., 2006 was more than 50%, which declined to 17% during Jan.-Dec., 2007 period, thus clearly establishing that this decline was due to lack of orders.

(v) Opinion of Association of Indian Individual Investors is of no consequence/ relevance, given that these are individual opinions without having access to relevant information.

(w) The fact that the new production plants were not operating even at cash break-even is not solely because of cost over runs. In fact, these are substantially due to significant price erosion in the market.

(x) It is disputed that the cost overrun is required to be adjusted under the rules. Cost overruns are normal business phenomena and have invariably been allowed by the Authorities. In any event, the impact of cost overrun is only in

terms of its adverse impact on interests and depreciation cost. Further, the very same report shows that the company had targeted a pay back period of entire investment as 3.3 years. The cost overrun is only with reference to the higher pre-operating or trial run production expenses at Line 4, which were incurred in view of the redesign in the product demanded by the customers. In case of Line 5, the company had originally planned a dedicated 14" line, which was converted into a flexi 14" and 21" line.

(y) The Designated Authority is required to determine injury to the "domestic industry". Individual performance of the constituents of the domestic industry is irrelevant.

(z) Samsung has selectively referred to the annual reports. The very same reports referred by Samsung contain views of the company with regard various factors of injury.

(aa) Export performance is not seen as a percentage of domestic or total sales. In any event, export performance has suffered because of dumping of the product by these producers in the global market and consequent injury suffered by Indian Producers in respect of their exports. Further, the company has provided separate information with regard to domestic and export operations and the claim of injury is clearly based on domestic operations.

40. Considering various injury parameters, it was claimed by the domestic industry that the performance of the domestic industry has declined over the injury period and the dumped imports of subject goods are causing severe material injury to the domestic industry. The deterioration in the performance during the current period is quite significant and material. Increase in imports led to increase in market share of imports. As a direct consequence, market share of domestic industry could not increase as a result of increase in demand. On the contrary, the market share of the domestic industry declined significantly in the POI. Further, significant decline in the market share in the proposed POI led to significant under utilization of production capacities. Decline in import price forced the domestic industry to reduce the prices, which in turn led to significant erosion in profit margin and consequent deterioration in profit/loss, return on investments and cash flow.

E.2 Views of other interested parties

41. The opposing interested parties have disputed that the domestic industry has suffered injury due to dumped imports. Their views are briefly as follows –

(a) There are 3 types of CPT – Conventional, Flat and Slim/Vix Slim/Super slim. The domestic industry has admittedly not produced 21" slim and 29" slim. Since the domestic industry has not produced these types, the same should be

excluded from the scope of the investigations. No injury could have been caused by these imports.

- (b) The injury period is not as per the DGAD practice. Since the period 2006-07 and period of investigation is almost similar, the same may not serve any fruitful purpose in assessing the injury to the domestic industry. It was apprehended that during 2002-03 and 2003-04 the domestic industry might have suffered losses and they might have deliberately not submitted information for those period for this reason.
- (c) JCT Electronics was declared sick unit by BIFR for the year 2004 and continued to be sick during the period of investigation. The company was sick even during the period when there was no allegation of dumping. The sickness of the company is on account of other reasons and not due to alleged dumping.
- (d) JCT declared lockout at Mohali plant in March 2002 and has not been using this facilities. The main reason for non-utilization of capacity by JCT is lockout at Mohali plant.
- (e) In respect of Baroda plant, the Corporate Announcement dated 7.3.2007 stated that operations of this unit had not stabilized and capacity utilization was low. This clearly demonstrates that the company is having some technical/other problems, which are causing injury to it.
- (f) Injury to Samtel Colour is self-inflicted.
- (g) Samtel was producing conventional CPT till 2005-06 on 3 production lines. The company added two more lines with investments of more than Rs. 310 cores – Line 4 at Kota to produce 29” and Line 5 at Delhi to produce 21”. These lines came up in operation during the period of investigation and remained unstable till the end of the period of investigation. The Chairman of the company has confirmed that these lines have suffered cost overrun and delayed stabilization.
- (h) Association of Indian Individual Investors also opined that the addition of line 4 and line 5 led to deep financial crisis for the company, resulting in losses.
- (i) Samtel has admitted in its quarterly results that it went into financial mess due to extension of two lines. These two lines were not operating even at cash break even.
- (j) The article published in MoneyLife- Personal Finance Magazine, while reviewing the performance of Samtel has also opined that Samtel is on continuous decline.

- (k) Samtel informed the National Stock Exchange that existing 3 lines were operating full capacity and line 4 and 5 operations were being stabilized.
- (l) Demand for CPT increased and the domestic industry could not supply the materials, thus leading to higher imports.
- (m) Samtel has admitted that several uncompetitive manufacturing units in the CPT sector in India have been decommissioned over the past few months, thus providing significant market share to the company, which increased from 36% to 46%.
- (n) There is no evidence of adverse volume effect as a result of increase in imports.
- (o) There is no evidence of adverse price effect. The price undercutting from subject countries is negative nor there is any evidence of price suppression or depression.
- (p) Decline in price has been caused by decline in cost.
- (q) Samsung has been selling the product at much higher prices than selling by the domestic industry. Various economic parameters relating to domestic industry does not show injury.
- (r) The capacity utilization has suffered due to poor export performance. Delay in stabilization of new lines 4 and 5 set up by Samtel resulted in lower capacity utilization.
- (s) If inefficiencies in production are removed, the sales price will be above cost of production.
- (t) Increase in inventory does not show injury, as inventories have declined as a percentage of sales, percentage of production and number of days of production in stock.
- (u) The profitability position given also does not show injury. The domestic industry was making losses during 2004-05 and even during 2001-02. Losses during 2005-06 and 2006-07 and the period of investigation increased when the major constituents started implementing production at new lines. The erosion of profitability is due to line 4 and line 5 and not alleged dumped imports.
- (v) Employment and wages also does not show injury.
- (w) Samtel had a positive cash flow during 2006-07. Cash flow situation of the domestic industry also does not show injury.

- (x) The non-injurious price should be determined after taking into account unstable production.
- (y) There is no evidence of causal link as well. Changes in the pattern of consumption from present TVs to LCD are a major factor for injury. Further, developments in technology are another cause for injury to the domestic industry.
- (z) Export performance of the domestic industry has also suffered, thus leading injury to the domestic industry
- (aa) The claim of increase in productivity is also incorrect.

E.3. Examination by the Authority

E.3.1. Cumulative Assessment

42. Annexure II (iii) to the Anti Dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

- (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual countries less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and;
- (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

43. The Authority considered whether it would be appropriate to cumulatively assess injury to the domestic industry. As stated below, it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from Malaysia, Thailand, China and Korea RP:-

- i) The margins of dumping from each of the subject countries are more than the limits prescribed,
- ii) The volume of imports from each of the subject countries is more than the limits prescribed,
- iii) Cumulative assessment is appropriate in view of the following factors :-
 - a. The goods involved are like articles and are competing in the same market;

- b. The imported products are being sold through the same channel of distribution and to comparable category of customers;
- c. Products from both the countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market.
- d. Imports from both the countries are increasing.

44. Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

45. For the purpose of injury analysis the Authority has cumulatively examined effect of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on production, capacity utilization, sales, prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

46. Since positive dumping margins have been established for the exports from the subject countries, therefore, entire exports from the subject countries have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.

E.3.2 VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and impact on domestic Industry

47. The Authority has procured transaction wise imports information from the DGCI&S. Information provided by the responding exporters, importers/ consumers, DGCI&S information and information in the petition was correlated and the position is as follows –

	Pcs
	POI
As per exporter's responses	
Malaysia	
Chungwa	989964
Samsung,	1476883
Korea	
LPD	1178140
China	
Samsung,	143713
Irico Group	131800

Irico display	1220
BMCC	102120
LPD	207931
Total as per responses	4231771
As per importers' responses	
LG, India	1204304
Samsung, India	941097
Mirc India	322088
Dixon	74956
Panasonic	234512
Total as per importers' responses	2776957
As per petition (based on imports reported by DGCI&S and ICD, Dadri)	3834920

48. The Authority notes that the actual volume of imports reported by the responding exporters is far more than the volume of imports reported in the statistics made available by the DGCI&S. The domestic industry submitted that the import data in respect of ICD, Tughlaqabad and Dadri were not fully available. The Authority has therefore considered the volume of imports on following basis –

- i. On the basis of responses filed by the exporters in case of Malaysia and Korea in view of the fact that all known exporters have filed responses,
- ii. On the basis of DGCI&S in case of Thailand, as none of the exporters have filed questionnaire responses
- iii. On the basis of responses filed by exporters of China though only BMCC, Samsung, Irico, Irico display and LPD have filed the responses.
- iv. In case of importers, responses have been filed only by LG, Samsung, Mirc, Dixon, Panasonic, whereas there are a number of other companies as well who have also imported the subject goods according to the domestic industry, thus these figures have not been taken into account.
- v. The information made available by ICD, Dadri and DGCI&S shows that the imports reported at ICD, Dadri have not been reported in the DGCI&S information.

49. The Authority is constrained to adopt import data reported by DGCI&S and ICD, Dadri for preceding years in view of the fact that the responding exporters have not provided information on uniform basis in respect of preceding years, nor the information covers entire injury period.

E.3.2.1 Import volumes and Share of subject countries

50. The volume of dumped imports of subject product from subject countries is given in the table below.

Particulars	2004-05	2005-06	2006-07	July 06 to June 07
Import volumes (in '000 pcs)				
China	192	118	254	587
Korea south	640	804	986	1,178
Malaysia	993	848	1,047	2,487
Thailand	113	431	998	1,090
Total subject countries	1,938	2,200	3,284	5,342
Other country	403	138	45	66
Total Imports	2,341	2,338	3,329	5,408
Market Share in Imports (%)				
China	8.20	5.04	7.64	10.85
Korea south	27.36	34.38	29.61	21.78
Malaysia	42.41	36.25	31.44	45.99
Thailand	4.84	18.44	29.96	20.16
Total sub country	82.81	94.11	98.65	98.78
Other Countries	17.19	5.89	1.35	1.22
Production	6949	6966	9112	9579
Subject Import in relation to Production	27.90	31.58	36.04	55.77

51. The Authority provisionally holds that imports from subject countries increased significantly over the period in absolute terms, in relation to imports into India and in relation to production in India. At the same time, imports from other countries declined.

E.3.2.2 Demand and market shares

	In 000 pcs			
	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Demand in India	10181	10671	12481	14696
➤ Sales of domestic industry	4622	5147	7919	8388
➤ Sales of other Indian producer	3217	3187	1232	900
➤ Imports from subject country				
➤ China	192	118	254	587
➤ Korea south	640	804	986	1,178
➤ Malaysia	993	848	1047	2,487
➤ Thailand	113	431	998	1,090
➤ Total subject country imports	1938	2200	3284	5,342
➤ Other countries imports	403	138	45	66
➤ Total Imports in India	2341	2338	3329	5,408
Market Share				
➤ Domestic industry	45.40	48.23	63.45	57.08

➤ Other Indian producer	31.60	29.86	9.87	6.12
➤ Subject country				
➤ China	1.88	1.10	2.04	4.00
➤ South Korea	6.29	7.53	7.90	8.02
➤ Malaysia	9.75	7.94	8.39	16.92
➤ Thailand	1.11	4.04	7.99	7.42
➤ Total subject countries	19.04	20.62	26.31	36.35
➤ Other countries	3.95	1.29	0.36	0.45

52. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales of domestic industry and all imports from all countries. The Authority notes that demand for the subject goods had been growing from base year to POI. It grew by about 44% over injury period.

53. The Authority provisionally concludes that the market share of dumped imports increased significantly over the relevant period, resulting in decline in the market share of the Indian industry. The Authority provisionally concludes that the dumped imports show adverse volume effect.

E.3.2.3. Production, Sales Volume and Capacity Utilization of the Domestic Industry

54. Factual position is as follows

In 000 Pcs				
Particulars	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Capacity	8100	10100	12650	13800
Production	6949	6966	9112	9879
Capacity utilization	85.79	68.97	72.03	71.59
Sales	4622	5147	7919	8388
Demand	10181	10671	12481	14696

55. It is noted that capacity, production and sales volumes of the domestic industry increased in response to increase in demand. While the capacity increased by 57 lacs pieces, production increased only by 29.30 lacs pieces, even though demand increased by 45 lac pieces. Domestic industry faced decline in capacity utilization in spite of existing demand in the Country.

56. It has been represented by the interested parties that JCT capacity at Mohali should not be considered, as it is lying idle for quite some time. Therefore, the Authority has not considered production capacity of JCT at Mohali in the above analysis. It has also been represented that Samtel has not been able to utilize its new production line capacity in view of operational constraints. The Authority examined month wise production & capacity utilization at this line and noted that having achieved a plant utilization of more

than 50% over a period of five months between Aug.-Dec., 2006, the capacity utilization has significantly fallen thereafter. It cannot certainly be a situation where the company could have reached upto this level and yet it faced such technical constraints that its utilization fell as low as 1.2% in Jan.-Dec., 2007 period.

F. Price effect of the dumped imports on the Domestic Industry

57. With regard to the effect of dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18, the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of like product in India or whether effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase, which otherwise would have occurred to a significant degree.

58. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the weighted average cost of production, weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

59. The interested parties have argued that the price undercutting by the imports is negative. In other words, the domestic industry is selling the product at a price below the landed price of imports. It has however not been disputed by any interested party that the domestic industry fixes its prices on the basis of the prices offered by foreign producers. Domestic industry has represented that the price negotiations with all major customers are on the basis of the prices offered by the foreign producers. Domestic industry has also represented that the major cause for unprecedented fall in the prices over the injury period has been the price reductions resorted to by these foreign producers.

F.1. Evaluation of price over period under consideration

60. The Authority examined the trend of import prices over the injury period, separately for each size and cumulatively for subject countries. The relevant information is as shown below –

CIF import price	2004-05	2005-06	2006-07	POI	Decline in prices
14 complete tube	1005	877	791	734	27%
15"	1376	1223	1168	1144	17%
20" conventional	1608	1364	1359	1302	19%
21" conventional	2140	1821	1535	1481	31%
21" flat	2314	1812	1523	1478	36%
21" slim		2010	1904	1835	9%
29" flat	4198	3469	3306	3262	22%

61. CIF import price of the subject goods from the subject countries have declined over the injury period. The price declines have ranged from 9% to 36%. In respect of high volume types (14" and 21" flat) the prices declined by 27% and 36% respectively.

62. The Authority examined whether the above price decline could be linked to the decline in cost of production. The Authority notes that whereas the exporters have not provided relevant information in this respect, the domestic industry has provided information for the entire period. It is noted that even though there were declines in cost of production as well, the above declines are far more than the declines in cost of production.

G. Price undercutting

63. In order to determine price undercutting, Authority examined the responses filed by the exporters and importers/users. Price undercutting have been separately determined for each responding exporter. For the purpose, each type of CPT has been compared separately. Price undercutting for each type and thereafter weighted average for CPT as a whole has been determined. The analysis shows as follows –

Undercutting table

	Average of all types	
Price undercutting	Volume	Rs/Pc.
Samsung, China	143,713	(390.34)
Samsung, Malaysia	1,476,883	(53.54)
LPD, China	207,931	70.32
LPD, Korea	1,178,140	(157.25)
Matsushita	102120	12.03
Chungwa-Malaysia	989,964	(1.41)
IRICO-China	131,800	14.85
IRICO-China	1,280	165.07
Responding Exporters	4,231,831	(71.79)
Thailand	1,089,571	(20.63)

64. The Authority notes that the price undercutting is negative. However, it has been claimed by the domestic industry that in view of the typical market conditions for this product, the Indian Producers are bound to link / fix their prices on the basis of import prices. For this purpose, Indian Producers have provided their pricing formula in respect of some of the major customers in India. These pricing formulae clearly provide for fixation of prices on import parity basis or linkage thereof. Further, the Authority notes that the Rules require the Authority to examine "whether there has been a significant price under cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred, to a significant degree". The Authority thus notes that in a situation where the price undercutting is

negative, the Designated Authority is required to consider whether the imports are depressing the prices of the domestic industry to a significant degree. As noted in the para below, the performance of the domestic industry clearly shows that the imports were depressing the prices of the domestic industry in the market.

65. The domestic industry has further argued that 4% special additional duty was payable on imports, which was centvatable against sales tax payable by the consumers on their sales. However, sales tax payable by the domestic industry was not centvatable. Since the consumers decide their prices on the basis of landed cost to them, this 4% additional costs to the domestic industry is resulting in lower net sales realization to the domestic industry vis-à-vis imports.

66. The Authority notes that wherever the domestic industry is selling identical models, the prices of the exporters and Indian Producers are quite comparable. Wherever the domestic industry is not selling significantly high volume of a particular model, the price difference between the domestic and import product is much higher (the imports are expensive). It is also noted that import prices of size 29" are higher than those of the domestic industry. Domestic industry stated that their prices of 29" were lower than imports in view of the fact that some of the exporters were selling to their related importers and therefore the importers were giving price preference to their related exporter. Additionally, in so far as 29" is concerned, since the domestic industry has started offering its product only from 2006, the consumers were willing to pay a price lower than imports, considering that the domestic industry had introduced new type. Domestic industry further argued that the relevant consideration under the Rules is whether the prices of the domestic industry are getting benchmarked by the imports. So long as the imports were the primary factor for the benchmark pricing being resorted to by the domestic industry, it should be held that the reasons for decline in prices was imports and these imports have forced the domestic industry to sell at prices below associated cost of production.

67. The domestic industry has also pointed out that the followings are relevant parameters for fixation of prices –

- a. The price at which the consumers have placed orders for supply of material is their starting basis for price fixation.
- b. A number of customers whose affiliates are producing the subject goods outside India clearly require a price lower than the prices quoted by their affiliates. If prices are comparable, these customers prefer to buy from their related foreign supplier.
- c. Whereas the prices for the domestic industry immediately become effective, the supplies of the exporters come much later.

- d. Whereas the domestic industry has credit period of 0-20 days, exporters have given credit as high as 90/225 days. A credit of 90 days @ 12% interest rates has about 2% price impact.
- e. Exporters have to carry much higher inventory carrying cost as compared to domestic industry. Inventory carrying cost is built in the prices.

68. In view of the above, the Authority provisionally concludes that selling price of the domestic industry have declined over the period, reasons for which is decline in the landed price of imports.

H. Price suppression and depression effects of the dumped imports:

69. In order to examine whether the imports were depressing or suppressing the prices of the domestic industry, the Authority has examined the trends in raw material costs and selling price. The relevant position is as follows –

	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Raw materials costs				
14 complete tube	850	633	612	621
15"			912	974
20" conventional	1313	1089	1081	1067
21" conventional	1397	1229	1184	1189
21" flat	2041	1520	1332	1317
29" flat			2766	2897
Selling price				
14 complete tube	1228	1040	906	864
15"			1304	1188
20" conventional	1974	1664	1496	1464
21" conventional	2101	1722	1536	1510
21" flat	2695	2100	1664	1607
29" flat			3462	3292
Landed price of imports				
14 complete tube	1246	1044	902	814
15"	1614	1386	1275	1220
20" conventional	1843	1526	1464	1376
21" conventional	2370	1979	1638	1554
21" flat	2542	1970	1626	1550
29" flat	4407	3610	3392	3317

70. The selling prices of the domestic industry have declined in the same direction and to the same extent as that of landed price of imports. The price declines have been

significant forcing the domestic industry in selling the product significantly below the cost of production during the proposed investigation period.

71. Considering the above, the Authority provisionally concludes that there has been a significant increase in the dumped imports, both in absolute terms and relative to production and consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority notes that there has been significant decline in the landed price of imports. As a direct consequence, the selling price of the domestic industry declined significantly over the injury period. Even though there were declines in raw materials costs, the declines in the selling prices were far more than declines in the raw materials costs. The imports thus forced the domestic industry to reduce the prices. Such price declines were significant and material.

I. Examination of other Injury Parameters

72. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder.

I.1. Profits

	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Average cost of production (Rs/Pc)	1752	1522	1482	1479
Average selling price (Rs/Pc)	1888	1614	1373	1312
Profit & Loss per pc (Rs/Pc)	136	92	(-109)	(-167)
Total profit/ loss from domestic sales (Rs Lacs)	6296.61	4716.11	(8642.41)	(13993.60)

73. It is seen that profitability of the domestic industry has severely declined over the years. Not that the domestic industry was having good profitability earlier (imports have been competing with the domestic industry for past several years). However, situation has significantly deteriorated over the injury period, when the domestic industry's profitability steeply declined due to dumped import from the subject countries. Resultantly, the domestic industry faced significant financial losses.

74. It was argued by some of the interested parties that the performance of the domestic industry deteriorated due to other factors and not due to dumped imports. It has been claimed that JCT was BIFR company even before and the company has been forced to suspend production at its Mohali plant due to other factors not related to dumping. With regard to Samtel, it has been argued that the company has faced significant losses primarily due to cost overrun and commercialization of new production line. Considering the arguments of these interested parties, the Authority therefore examined impact of these other factors. It was noted in case of Samtel that the company made a profits of

8631 lacs in 2004-05, whereas its financial loss in the POI was 9188 lacs. The Authority notes that even when profit before tax may decline due to incidence of higher interest & depreciation expenses, profit before interest & depreciation would be unaffected by cost and time overrun. Therefore, the Authority ascertained profit before interest & depreciation for the company. The factual position is as follows.

Rs. In lacs				
Particulars	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Profit before tax	8631	-56	-4795.5	-9188.3
Interest	3582.76	3661.58	6210.55	7234.0
Depreciation	3508.36	3501.88	6173.7	6447.0
Total of interest & depreciation	7091.12	7163.46	12384.3	13681
Increase in interest & depreciation (as compared to 2004-05)		72.34	5293.18	6589.88
Profit before interest & depreciation	15722	7107	7589	4493
Decline in profit before interest & depreciation (as compared to 2004-05)		8615	8133	11229

75. It is seen from the above that even if interest & depreciation costs of the company would have been same as in the base year, its profits would have significantly declined. It is also seen from the above that profit before interest & depreciation showed a marked decline over the injury period (which could not have been affected due to cost overrun or higher incidence of costs due to new plant).

76. In order to further examine the profitability of the domestic industry and impact of dumping on the domestic industry, the Authority examined contribution margin over the injury period. Contribution margin for the purpose has been considered as the difference between selling price and costs on account of raw material. The relevant information shows as follows –

	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Raw materials costs				
14 complete tube	850	633	612	621
15"			912	974
20" conventional	1313	1089	1081	1067
21" conventional	1397	1229	1184	1189
21" flat	2041	1520	1332	1317
29" flat			2766	2897
Selling price				
14 complete tube	1228	1040	906	864
15"			1304	1188
20" conventional	1974	1664	1496	1464

21" conventional	2101	1722	1536	1510
21" flat	2695	2100	1664	1607
29" flat			3462	3292
Contribution				
14 complete tube	469	491	387	342
15"			692	567
20" conventional	1974	1664	584	490
21" conventional	788	633	455	443
21" flat	1298	871	480	418
29" flat			2130	1975

Sales volumes domestic			000'Pcs	
14 complete tube	1369.73	1477.28	2664.43	3204.33
15"			10.97	39.16
20" conventional	1542.82	1377.01	1656.99	1466.06
21" conventional	974.89	750.17	890.69	845.88
21" flat	735.00	1542.17	2553.15	2631.60
29" flat			143.12	200.96
Total contribution margin				Rs Lacs
14 complete tube	6420	7256	10301	10954
15"			76	222
20" conventional	30453	22919	9680	7176
21" conventional	7680	4748	4055	3748
21" flat	9543	13433	12261	11006
29" flat			3048	3969
Total contribution margin	54096	48355	39420	37074
Decline in contribution margin		5741	14676	17022

77. It is seen that the contribution has steeply declined over the injury period. The above clearly shows that the domestic industry has been forced to reduce its prices far beyond the reduction in the costs on account of input materials. Given that the pricing of the product is dependent upon the import prices, this clearly shows that the decline in contribution margin is on account of dumped imports in the market.

I.2. Return on investment and cash flow

	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Return on capital employed (%)	7.90	7.33	(2.60)	(5.58)
Cash profit (Rs. Lacs)	6296.61	4716.11	(8642.41)	(13993.60)
Cash flow from operation (Rs. Lacs)	14528.19	6621.54	2835.18	(5547.58)

78. It is seen that return on capital employed and cash flow deteriorated throughout the injury period. Return on capital employed was positive upto 2005-06. The same however became negative from 2006-07 and the position deteriorated further in the investigation period.

79. With regard to cash flow, the Authority notes that the cash flow of the domestic industry declined steeply. From a situation of positive cash flow, the domestic industry was faced with a negative cash flow in the investigation period. The Authority also examined the position of cash profits with regard to production and sale of CPT. It was seen that the cash profits also show the same situation. Cash profits were positive in the earlier years and became negative in the investigation period.

I.3. Inventories

Volume in '000 pcs				
Inventories	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Opening Inventories	174	257	323	212
Closing Inventories	257	323	192	260
Average Inventories	215	290	258	236

80. The Authority notes that the subject goods are normally produced against confirmed orders. Therefore, the inventories with the domestic industry would normally be in respect of the confirmed orders.

I.4. Productivity

Fig. in '000				
	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Productivity per employee (no. of pieces per employee)	1.36	1.07	1.15	1.21
Productivity per day	20	20	26	27

81. It is seen that productivity of the domestic industry increased after declining in 2005-06. In spite of this positive situation, the domestic industry was faced with deteriorating financial performance.

I.5. Employment & wages

	2004-05	2005-06	2006-07	POI
Number of employee (nos.)	5113	6531	7907	7900
Wages (Rs. In crores)	3946	5216	7155	7678
Wages per employee (Rs. Lacs)	0.77	0.80	0.90	0.97

82. It is seen that employment level has increased. This may be due to increase in capacity. Salary & wages paid to the employees have increased, which is partly due to increase in number of employees and partly due to wage increases. The average wage increase per employee comes to 8.7%, which is quite nominal.

I.6. Growth

83. Considering various economic parameters of the domestic industry, even though there was positive growth in demand, sales, capacity, and production of the domestic industry, the growth with regard to capacity utilisation, contribution margin, profitability, cash flow and return on investment was negative.

J. Conclusion on injury:

84. The examination of above injury parameters indicates that growth in demand was 45% over the injury period. Given significant overall growth in demand, capacity, production and sales of the domestic industry increased. However, the increase in sales was far lower than the increase in the demand. Resultantly, the capacity utilization suffered. Imports of subject goods from subject countries increased significantly from 2341 lacs pcs in 2004-05 to 5405 lacs pcs during POI i.e. it increased by 130%. The share of the imports from subject countries in relation to demand increased from 19% in 2003-04 to 36% during POI whereas market share of Indian industry declined. There was consistent decline in the prices of various sizes of CPT being sold in the market. These price declines are not fully addressed by the decline in the costs. As a result of exporters reducing their prices consistently over the injury period, the domestic industry was forced to reduce its prices consistently throughout the period. Resultantly, the prices of the domestic industry declined to a significant extent (price declines ranged 25-40%). Price declines in high volume 14" and 21" flat were in the region of 30% and 40% respectively. As a result of significant price depression, contribution margin, profit, returns on investments and cash flow situation of the domestic industry significantly deteriorated. The domestic industry suffered huge financial losses, negative return on investment, negative cash flow and negative cash profits. The Authority provisionally concludes that the performance of the domestic industry deteriorated significantly in terms of profit, return on investments and cash flow. The declines were significant and material. Thus various parameters collectively and cumulatively show that the domestic industry has suffered material injury.

K. CAUSAL LINK

85. In order to reach its conclusions on the cause of the injury suffered by domestic industry and in accordance with Article 3.5 of Agreement on Anti-Dumping and as per Para (v) of Annexure-II under Rule 11 under Customs Tariff Act as amended, the Authority examined the impact of all known factors and their consequences on the situation of the domestic industry. Known factors other than dumped imports, which could at the same time have injured the domestic industry were also examined to ensure

that the possible injury caused by these other factors was not attributed to the dumped imports.

K.1. Examination of Other Known Factors

K.1.1. Volume and prices of imports from other sources

86. The Authority notes that out of total imports, the volumes of imports from other countries are 1.23% during POI. The Authority notes that the imports from other countries are negligible and could not have been contributing to the injury of the domestic industry.

K.1.2. Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

87. The Authority notes that there is no contraction in the demand during POI. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period. The demand of subject goods has shown growth of 45% over the injury period. There is no significant change in consumption pattern of the product in the domestic market, which could be attributed to the injury to the domestic industry.

K.1.3. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

88. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject countries compete directly with the subject goods produced by domestic industry. Imports of various types of CPT are being sold in the same market as CPT being sold by the domestic industry.

89. The Authority notes that no evidence of restricted practice prevalent in the industry, which could be attributed to the injury to the domestic industry, has been brought to the notice of the Authority.

K.1.4. Development in technology

90. On the basis of examination of the records, the Authority provisionally holds that development in technology has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry.

K.1.5. Export performance

91. The Authority notes that the export volumes of the domestic industry have declined over the injury period. However, performance with respect to various economic indicators has been determined with respect to domestic sales only. Hence, the Authority provisionally holds that material injury suffered by the domestic industry is not a result of the decline in export performance of the domestic industry.

K.1.6. Productivity of the Domestic Industry

92. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has significantly increased.

K.2. Conclusion on Causation

93. The Authority notes that the arguments of the opposing parties are not that the domestic industry has not suffered injury. Opposing parties seems to agree that the domestic industry has suffered injury. The arguments of these interested parties are against existence of causal link between dumping and injury to the domestic industry. It has been claimed that injury to the domestic industry was caused not by dumped imports, but by a number of other factors. It has been argued that cost overruns suffered by Samtel in setting up line 4 and line 5, stabilization of production at these production lines are primary reasons for injury suffered by Samtel Colour. As regards JCT, existence of the company as a BIFR company because of the past performance, lock out at Mohali Plant and non-stabilization of operations at Baroda have been cited as the factors causing injury to the domestic industry.

94. The Authority notes that the Rules require the Authority to examine any factor other than dumped imports which were at the same time causing injury to the domestic industry. The Rules do not provide that the sole cause of injury must be dumped imports. On the contrary, the rules recognizes that there may be other factors which might have caused injury to the domestic industry and requires the Designated Authority not to attribute such injury to the dumped imports. In other words, the Authority should segregate injury caused due to other factors and consider injury caused due to dumped imports only in order to come to a conclusion where dumped imports caused injury to domestic industry.

95. The Authority notes that the interested parties are required to quantify injury caused due to such other factors. However, these interested parties have not quantified injury caused to the domestic industry due to such other factors. The Authority has, however, analyzed the impact of these other factors on the domestic industry and finds that even if injury caused to the domestic industry because of such other factors is segregated, yet the performance of the domestic industry shows significant deterioration.

96. The Authority has considered only domestic operations of the domestic industry and therefore the deterioration in exports and injury caused due to the same has been segregated. Even if the Authority does not consider that cost overrun is in the nature of abnormal situations, yet, the impact of cost overrun would be on interest and depreciation expenses. The Authority, therefore, quantified the impact of overrun on interest and depreciation and concluded that the domestic industry has suffered even if the impact of cost overrun is segregated. Authority found that the profitability of the domestic industry would have still shown significant deterioration. As regards stabilization of production line by Samtel Colour, the Authority examined month-by-month production and found

that capacity utilization at these lines first improved significantly and thereafter deteriorated. The Authority notes that the earlier lower level of production could be due to non-stabilization of the production line. However, domestic industry achieved much higher level of production between Aug.-Dec., 2006 for a consistent five months. The capacity utilization during this period was more than 50%. However, capacity utilization thereafter for the period Jan.-Dec., 2007 declined to mere 17%. The reasons for this subsequent decline over a long period of one year could not be attributed to technical difficulties thus clearly establishing that the subsequent deterioration is not because of technical difficulties.

97. As regards JCT, the Authority considers that the mere fact that JCT was a BIFR Company does not imply that JCT could not have suffered injury because of dumped imports. The Authority considered the BIFR rehabilitation of the company and ascertained its operational performance after adjusting the performance as per the BIFR rehabilitation package. The Authority considers that this adjusted position shows that operational performance of the company would have shown higher deterioration. The Mohali plant of JCT was under lock out throughout the period. Therefore, the capacity was considered as unavailable to the company in the injury analysis carried out.

98. As regard statement of stability of operations at Baroda Unit, the Authority notes that the reference made by Samsung pertains to a previous period. It is also noted that as per this statement, the company had not provided for depreciation expenses. Had the company made provisions for depreciation, it would have at best, shown higher losses.

99. In view of the above, the Authority provisionally concludes that injury suffered by the domestic industry due to other factors is far too insignificant as compared to injury suffered because of price decline resulting from dumped force. The situation of the domestic industry has shown a material deterioration over the injury period, which was substantially due to dumped imports. The Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury due to dumped imports.

L. Magnitude of Injury Margin

100. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject countries and the injury margins have been worked out as follows.

L.1. Injury margin calculations

i. Chunguwa- Malaysia

In Rs./PC

	14"WY	15 "WY	20"WY	21"WY	29"WY	TOTAL
NIP	973	1,566	1,799	2,122	5,407	1,228
Landed Price	811	1,202	1,333	1,638	3,496	969
Injury Margin	162	364	466	484	1,911	259
Injury Margin(%)	20.02	30.34	34.98	29.56	54.66	26.71

ii. Samsung- Malaysia

In Rs./PC

	14CCN	14ICN	15CFN	20CCN	21CCN	21CFN	21FIN	21CFS	TOTAL
NIP	973	973	1,566	1,799	2,084	2,122	2,122	2,122	1,778
Landed Price	833	807	1,297	1,468	1,480	1,691	1,635	1,734	1,416
Injury Margin	140	166	269	331	604	431	487	388	363
Injury Margin(%)	16.82	20.59	20.71	22.57	40.79	25.52	29.80	22.38	25.62

iii. LPD-Korea

In Rs./PC

	15"RF AK	21"SUS	21"RF AK	29"SUS	29 "RF	29 "RF Tint Glass	29 "RF Tint	29"SUS STS	TOTAL
NIP	1,566	2,122	2,122	2,122	5,407	5,407	5,407	5,407	2,597
Landed Price	1,320	1,941	1,661	4,082	3,784	3,640	3,241	4,028	2,052
Injury Margin	246	181	461	(1,960)	1,623	1,767	2,166	1,379	546
Injury Margin(%)	18.67	9.34	27.76	(48.02)	42.90	48.53	66.85	34.24	26.60

iv. Irco Group-China

In Rs./PC

	14'A	15"	21 PF A	TOTAL
NIP	973	1,566	2,122	1,001
Landed Price	800	1,169	1,607	819
Injury Margin	173	397	515	182
Injury Margin(%)	21.63	33.94	32.07	22.18

v. Irco Display-China

In Rs./PC

	21FS
NIP	2,084
Landed Price	1,442
Injury Margin	642
Injury Margin(%)	44.51

vi. Samsung-China

In Rs./PC

	21CFS	21IFN	29CFS	TOTAL
NIP	2,122	2,122	5,407	3,027
Landed Price	1,939	1,397	4,181	2,462
Injury Margin	183	725	1,226	565
Injury Margin(%)	9.43	51.86	29.33	22.97

vii. LPD - China

In Rs./PC

	21"RF AK
NIP	2,122
Landed Price	1,537
Injury Margin	585
Injury Margin(%)	38.07

viii. BMCC- China

In Rs./PC

	14"	15"PF	Total
NIP	973	1,566	1,009
Landed Price	808	1,160	830
Injury Margin	165	406	179
Injury Margin(%)	20.37	34.97	21.62

M. Conclusions

101. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value.
- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

N. Indian industry's interest & other issues

102. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.

103. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

O. Recommendations

104. The Authority notes that the investigation was initiated, notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject countries, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

105. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

106. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the difference between the amount indicated in Col 9 of the table below and the landed value is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

P. Duty table

Sl. No.	Heading / Sub-heading / Tariff item	Description	Specification	Country of origin	Country Of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	8540 11	Television picture tubes (detailed description)	As per table below	Malaysia	Malaysia	Chunghwa Picture Tubes (M) Sdn.	Chunghwa Picture Tubes (M) Sdn.	As per table below	Per piece	INR

		given below)				Bhd.	Bhd.			
2	8540 11	- do -	- do -	Malaysi a	Malaysi a	Samsung Sdi (Malaysia) Berhad	Samsung Sdi (Malaysia) Berhad	- do -	Per piec e	INR
3.	8540 11	- do -	- do -	Malaysia	Malaysia	Any combination of producer and exporter other than at S.No 1 and 2		- do -	Per piec e	INR
4	8540 11	- do -	- do -	Malaysi a	Any country other than Malaysi a	Any	Any	- do -	Per piec e	INR
5	8540 11	- do -	- do -	Any country other than subject countrie s	Malaysi a	Any	Any	- do -	Per piec e	INR
6	8540 11	- do	As per table below	Korea RP	Korea RP	LPD	LPD	- do -	Per piec e	INR
7	8540 11	- do	As per table below	Korea RP	Korea RP	Any combination of producer and exporter other than at S.No 1 and 2		- do -	Per piec e	INR
8	8540 11	- do -	- do -	Korea RP	Any country other than South RP	Any	Any	- do -	Per piec e	INR
9	8540 11	- do -	- do -	Any country other than subject	Korea RP	Any	Any	- do -	Per piec e	INR

				countries						
10	8540 11	- do	As per table below	China	China	Shenzhen Samsung SDI Co., Ltd	Shenzhen Samsung SDI Company, Ltd	- do -	Per piece	INR
11	8540 11	- do	As per table below	China	China	Beijing Matsushita Color CRT Co Ltd.	Beijing Matsushita Color CRT Co Ltd.	- do -	Per piece	INR
12	8540 11	- do	As per table below	China	China	LG Philips Shuguang Electronics Co Ltd.	LG Philips Shuguang Electronics Co Ltd.	- do -	Per piece	INR
13	8540 11	- do	As per table below	China	China	Irico Display Devices Co. Ltd.	Irico Display Devices Company. Ltd.	- do -	Per piece	INR
14	8540 11	- do	As per table below	China	China	Irico Group Electronics Co. Ltd.	Irico Group Electronics Co. Ltd.	- do -	Per piece	INR
15	8540 11	- do	As per table below	China	China	Any combination of producer and exporter other than at S.No 1 and 2		- do -	Per piece	INR
16	8540 11	- do -	- do -	China	Any country other than China	Any	Any	- do -	Per piece	INR
17	8540 11	- do -	- do -	Any country other than subject countries	China	Any	Any	- do -	Per piece	INR
18	8540 11	- do	As per table below	Thailand	Thailand	Any	Any	- do -	Per piece	INR

19	8540 11	- do	As per table below	Thailand	Any	Any	Any	- do -	Per piece	INR
20	8540 11	- do	As per table below	Any other than subject countries	Thailand	Any	Any	- do -	Per piece	INR

Note-1 - Complete description of the product - Complete or incomplete thermionic, cold cathode or photo cathode valves and tubes such as vacuum or vapor or gas filled valves and tubes, mercury arc rectifying valves and tubes, also called cathode ray tubes, television camera tubes or cathode ray colour television picture tubes, or colour television picture tubes, or colour picture tubes etc. Video and computer monitor cathode ray tubes are beyond the scope of the present petition.

Country/Size	14"	15"	20"	21"	29"	Any Others
Malaysia						
Chungwa	878	1269	1400	1705	3563	3563
Samsung	917	1382	1552	1731		3906
Any Other	1156	1633	1792	1923	3906	3906
Korea						
LPD		1420		1794	3830	3830
Any Other	1422	1953		2282	4369	4369
China						
Irico group	959	1328		1766		4305
Irico Display				1670		4305
Samsung				1933	4305	4305
LG Philips				1768		4305
BMCC	979	1331				4305
Any other	1294	1918		2145	4305	4305
Thailand	1287	1536	1818	1997	3632	3632

Note - (a) For the purpose of this notification, conventional CPT means CPT/ CRT with funnel depth of more than 435, flat CPT means CPT/CRT with funnel depth less than 435 but more than 400 and slim CPT means funnel depth less than 350.

(b) If imports of bare tubes are reported, the benchmark would be reduced as follows - (i) Rs.123/- for 14", (ii) Rs.149/- for 15" (iii) Rs. 185/- for 20", (iv) Rs.172/- for 21".

For the purposes of this notification, "landed value" means the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act;

Q. Further Procedures

107. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- b. Exporters, importers, applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c. The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority